राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर धीरेंद्र... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रश्मिका मंदना ने पेट डॉग... 11

वर्ष - 02, अंक - 85 | गाजियाबाद / रविवार 28 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

सीएम योगी ने किया इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का शिलान्यास

नोएडा/ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गौतमबुद्धनगर के यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-10 में अंबर एवं ऐसेंट की 6785 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। इस परियोजना से जिले में हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

सीएम योगी ने कहा कि जेवर क्षेत्र आज पिछड़ेपन की पहचान से निकलकर निवेश और औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस पूरे क्षेत्र को वैश्विक निवेश मानचित्र पर नई पहचान दे रहा है और औद्योगिक गतिविधियों को तेज गति मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, कंपोनेंट निर्माण और उच्च तकनीकी उद्योगों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे प्रदेश की इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग नीति, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट नीति और सेमीकंडक्टर नीति को और मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज देश का मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब बन चुका है, जहां भारत में बनने वाले मोबाइल फोन का लगभग 55 प्रतिशत उत्पादन हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और कंपोनेंट निर्माण में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि निर्यात क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी मजबूती मिलेगी।

जेवर बन रहा देश का नया निवेश हब, हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार

15,023 करोड़ की अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने यमुना सिटी में 15,023 करोड़ रुपये की तीन बड़ी विनिर्माण परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिनसे लगभग 10 हजार रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके अलावा उन्होंने नोएडा में 390 करोड़ रुपये की लागत से बने नए प्रशासनिक भवन का लोकार्पण और 2,478 करोड़ रुपये की 69 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

जेवर और नोएडा में विकास की नई रफ्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, औद्योगिक नीतियों, सिंगल विंडो सिस्टम और लगभग 75 हजार एकड़ के लैंड बैंक के कारण उत्तर प्रदेश निवेश का प्रमुख केंद्र बन गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित औद्योगिक परियोजनाओं को तेज गति से पूरा किया जाए और निवेशकों को हर संभव सुविधा दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जल्द ही पूरी क्षमता के साथ संचालन में आएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जेवर में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण की यह शुरूआत भारत की आयात निर्भरता को कम करेगी और सेमीकंडक्टर उद्योग को बड़ा आधार देगी। वहीं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह परियोजना विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगी।

खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 30 तक टली

पटना, एजेंसी। पटना सिविल कोर्ट में शनिवार को ऑनलाइन शिक्षक फैसल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई। पुलिस की ओर से सौंपी गई अपडेटेड केस डायरी की जांच के लिए समय देते हुए कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 30 जून तय की है। अगली सुनवाई तक, खान सर को गिरफ्तारी से मिली अंतरिम सुरक्षा राहत जारी रहेगी। शनिवार को पुलिस ने कोर्ट के सामने ताजा केस डायरी पेश की। कोर्ट ने अंतिम दलीलों पर सुनवाई से पहले इसकी जांच के लिए तीन दिन का समय दिया।

चक्कर आकर गिरे भाजपा सांसद हर्ष महाजन, अस्पताल में भर्ती

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन को शनिवार को यहां उपायुक्त कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान चक्कर आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और चिंता की कोई बात नहीं है। दरअसल सांसद हर्ष महाजन भाजपा विधायक बलबीर वर्मा के साथ पत्रकारों से बात कर रहे थे, तभी उनका अचानक संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े।

हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ में भूकंप के झटके

चंडीगढ़ , एजेंसी। शनिवार शाम को चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके चलते कई क्षेत्रों में लोग एहतियात के तौर पर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। भूकंप का सेंटर अफगानिस्तान रहा। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, शाम 7 बजकर 8 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई। यह भूकंप जमीन से 215 किमी. की गहराई में आया। दिल्ली से लगते एनसीआर के क्षेत्रों में भी भूकंप का असर महसूस किया गया है।

वेनेजुएला भूकंप: मरने वालों की संख्या बढ़कर 920, 50 हजार से ज्यादा लापता

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में बुधवार को एक मिनट के भीतर आए दो विनाशकारी भूकंपों के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई, जबकि 3,360 से अधिक लोग घायल हुए हैं। नेशनल असेंबली के प्रमुख जॉर्ज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी। वहीं स्वतंत्र डेटाबेस और संयुक्त राष्ट्र के अनुसार आपदा के बाद से 50,000 से अधिक लोग लापता हैं।

मिडिल ईस्ट में शांति की उम्मीदों को झटका, समझौते की उड़ी धज्जियां

अमेरिका और ईरान में फिर छिड़ी लड़ाई

तेल अवीव, एजेंसी। शांति समझौते के बीच अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार क्षेत्रों पर हमले किए। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। वहीं दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना के अनुसार, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ईरानी संसद सदस्य इब्राहिम अजीजी ने 'एक्स' पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को युद्धविराम तोड़ने के लिए पछताना पड़ेगा।

व्यापार समझौते के करीब पहुंचे भारत और अमेरिका 'कुछ मुद्दे' सुलझने बाकी: सर्जियो गोर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के करीब पहुंच गए हैं। इसमें बस कुछ ही मुद्दे सुलझाने बाकी हैं और दोनों पक्ष समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी भाषा को अंतिम रूप देने पर ध्यान दे रहे हैं। व्हाइट हाउस में न्यूज एजेंसी 'आईएएनएस' के साथ इंटरव्यू में, अमेरिकी राजदूत गोर ने भरोसा जताया कि यह एग्रीमेंट आने वाले हफ्तों या महीनों में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कई दूसरे बड़े व्यापार समझौतों के मुकाबले बातचीत पहले ही बहुत तेजी से आगे बढ़ चुकी है। गोर ने कहा, ''समझौते के मसौदे (ड्राफ्ट) की भाषाई रूपरेखा पर अभी काम होना बाकी है। करीब 48 घंटे पहले दिल्ली में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जैमीसन ग्रीर के साथ मैं उन बैठकों में शामिल था, जहां हमने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। वे मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं। यह वार्ता बेहद सार्थक रही।

हरियाणा मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज, 14.52% प्रपत्र डिजिटाइज

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। राज्यभर में नियुक्त 20 हजार 629 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अब तक 2.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं तक पहुंच चुके हैं। इनमें से एक करोड़ 94 लाख से अधिक मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 29 लाख 98 हजार प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है, जो कुल का 14.52 प्रतिशत है। फतेहाबाद इस अभियान में सबसे आगे है, जहां 29.55 प्रतिशत गणना प्रपत्र डिजिटाइज किए जा चुके हैं। इसके बाद कैथल (28.02 प्रतिशत) और रेवाड़ी (27.07 प्रतिशत) का स्थान है। चरखी दादरी (22.23 प्रतिशत) ने भी 20 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है।

लाल किले कार बम धमाके की जांच में बड़ा खुलासा, एनआईए ने 3 और आरोपितों को जोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर 2025 में लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को आतंकी साजिश के नए सुराग मिले हैं। एजेंसी ने विशेष अदालत में दाखिल पूरक आरोपपत्र में तीन और फरार आरोपितों को नामजद किया है, जिससे मामले में आरोपितों की कुल संख्या 13 हो गई है। एनआईए ने डॉ. मुजफ्फर अहमद को मुख्य साजिशकताओं में शामिल बताया है और कहा है कि यह हमला अल-कायदा से जुड़े संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ी सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। जांच एजेंसी के अनुसार यह पूरा वाहन आधारित बम विस्फोट पहले से योजनाबद्ध था, जिसमें 11 लोगों की मौत हुई थी।

लंदन में तेलंगाना के 25 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत

शव भारत लाने की अपील

कामारेड्डी (तेलंगाना),एजेंसी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के 25 वर्षीय छात्र एस. श्रीनाथ रेड्डी की लंदन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह करीब 14 महीने पहले उच्च शिक्षा के लिए लंदन गए थे। इस दुखद घटना के बाद परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार से उनके शव को जल्द से जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है।

मृतक छात्र के पिता मधुसूदन रेड्डी ने तालामाडला गांव में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि उनके बेटे की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके।

परिवार के अनुसार, 22 जून की रात उनकी बेटे से आखिरी बार बात हुई थी, जिसमें उसकी बातचीत पूरी तरह सामान्य थी और उसने किसी भी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था।

इसी बीच परिवार के एक रिश्तेदार ने बताया कि श्रीनाथ रेड्डी के एक रूममेट ने उन्हें सूचना दी कि 23 जून की सुबह वह अपने कमरे में मृत पाए गए।

दिल्ली: भाजपा ने की 11 संगठनात्मक जिलों के पदाधिकारियों व मंडल अध्यक्षों की घोषणा

महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व, युवाओं और सभी वर्गों को मिला संगठन में स्थान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने शनिवार को संगठनात्मक विस्तार के तहत 11 संगठनात्मक जिलों के जिला पदाधिकारियों तथा कई मंडलों के अध्यक्षों की घोषणा कर दी। प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की सहमति से संबंधित जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने जिलों की नई कार्यकारिणी का गठन किया। वहीं उत्तर बाहरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नजफगढ़ संगठनात्मक जिलों की सूची वर्तमान जिला अध्यक्षों से परामर्श के बाद बाद में जारी की जाएगी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि नई नियुक्तियों में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की महिला सशक्तिकरण की नीति के अनुरूप 33 प्रतिशत महिलाओं को संगठन में प्रतिनिधित्व दिया गया है। इसके साथ ही युवाओं को भी पर्याप्त अवसर देकर संगठन में नई ऊर्जा और नेतृत्व को बढ़ावा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के पदाधिकारियों की नियुक्ति में भी संगठनात्मक मानकों का पूरी गंभीरता से पालन किया गया है। सामाजिक समरसता और संतुलित प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए विभिन्न वर्गों के कार्यकताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार शाहदरा, दक्षिणी दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम, चांदनी चौक, मयूर विहार समेत कुल 11 संगठनात्मक जिलों में जिला पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा कई मंडलों के अध्यक्षों के नामों की भी घोषणा की गई है।

हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि नई संगठनात्मक व्यवस्था का उद्देश्य दिल्ली की जनता के बीच पार्टी की पहुंच को और मजबूत बनाना तथा सेवा, संगठन और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवगठित टीमें पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

पेपर लीक, महाराष्ट्र टीईटी परीक्षा स्थगित

- आज होनी थी परीक्षा

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 को पेपर लीक की आशंका के चलते स्थगित कर दिया। परिषद ने यह फैसला तब लिया जब भिवंडी में पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों के पास मिले प्रश्न परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। मामले की जांच जारी है और भिवंडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया।

राज्य परीक्षा परिषद के अनुसार, टीईटी 2026 परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। हाल के समय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट 2026 में सामने आई अनियमितताओं को देखते हुए परिषद ने परीक्षा की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए थे। इसके बावजूद गुप्त सूचना मिलने के बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई। जानकारी के मुताबिक, 27 जून की सुबह भिवंडी पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोगों के पास शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रश्नपत्र से जुड़ी जानकारी मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित स्थान पर छापेमारी की। इसके बाद महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और बरामद सामग्री का मिलान कराया गया। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि बरामद प्रश्नों में से कुछ सवाल 28 जून को होने वाली टीईटी परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं।

एनकाउंटर मामला: भरत तिवारी को लगी थी पाँच गोलियां, पोस्टमार्टम में खुलासा

पटना, एजेंसी । बिहार के भोजपुर में हुए चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा खुलासा हुआ। समाचार एजेंसी आईएएनएस के पास उपलब्ध पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई कि भरत तिवारी को कुल पाँच गोलियां लगी थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, पहली गोली बाएं जांघ के ऊपरी हिस्से में सामने की ओर से लगी थी। दूसरी गोली भी बाएं जांघ के मध्य भाग में भीतर की तरफ लगी पाई गई। वहीं, तीसरी गोली दाहिनी जांघ के बीच वाले हिस्से में भीतर लगी थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि चौथी गोली दाहिनी जांघ में बाहरी हिस्से से अंदर की ओर गई थी। इसके अलावा, पांचवीं गोली बाएं पैर के मध्य भाग में पीछे की तरफ से लगी थी। बता दें कि भरत तिवारी के कथित फर्जी मुठभेड़ मामले को लेकर पिछले कई दिनों से सियासत गरम है। विपक्ष सरकार पर लगातार हमलावर है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। इसी बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस घटना में शामिल दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। भोजपुर की घटना को सरकार ने गंभीरता से लिया है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए तत्काल न्यायिक आयोग के गठन का फैसला किया गया है।

नगर निगम 1 वर्ष में बनाएगा 3 बहुमंजिला पार्किंग

- 400 से अधिक वाहनों की मिलेगी सुविधा
- जंगपुरा, कालकाजी और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में होंगे निर्माण कार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम (एमसीडी) ने बड़ा कदम उठाया है। एमसीडी प्रशासन ने एक वर्ष के भीतर जंगपुरा, कालकाजी और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में तीन बहुमंजिला कार पार्किंग विकसित करने की योजना तैयार की है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर 400 से अधिक वाहनों की पार्किंग क्षमता उपलब्ध होगी।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार इन तीनों बहुमंजिला पार्किंग के निर्माण पर 130 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। इसके साथ ही दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सरफेस पार्किंग विकसित करने के लिए भूमि चिन्हित की गई है, जिनमें से 20 से अधिक स्थानों पर अगले दो महीनों में सरफेस पार्किंग तैयार करने की योजना है। इनमें पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और रोहिणी सहित कई प्रमुख बाजार क्षेत्र शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि निगम के अधीन वर्तमान में लगभग 30 बहुमंजिला पार्किंग और 420 से अधिक सरफेस पार्किंग स्थल संचालित हैं। अब इन्हें और अधिक व्यवस्थित और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

अवैध पार्किंग पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी

एमसीडी ने अवैध पार्किंग और शुल्क वसूली की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों के अनुसार पार्किंग शुल्क से जुड़ी शिकायतों को रोकने के लिए सभी पार्किंग स्थलों पर पॉइंट ऑफ सेल (ढडर) मशीनें और डिजिटल रसीद प्रणाली अनिवार्य की जा रही है। इसके साथ ही हाथ से संचालित उपकरणों के माध्यम से रसीद जारी करने की व्यवस्था को भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

निगम ऐप और हेल्पलाइन पर शिकायत की सुविधा

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि पार्किंग से संबंधित किसी भी प्रकार की अवैध वसूली या शिकायत के लिए वे एमसीडी 311 ऐप और हेल्पलाइन नंबर 155305 का उपयोग कर सकते हैं। अधिकारियों ने कहा कि शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

डीडीए भी बनाएगा नई सरफेस पार्किंग

इधर, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) भी राजधानी में पार्किंग सुविधाओं के विस्तार के लिए सक्रिय हो गया है। अधिकारियों के अनुसार डीडीए द्वारका, रोहिणी, उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली में 200 से अधिक नई सरफेस पार्किंग विकसित करेगा। इसके अलावा कड़कड़डूमा, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिलशाद गार्डन और द्वारका सहित कई स्थानों पर बहुमंजिला पार्किंग की सुविधा भी विकसित की जाएगी।

मुंडका फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा : सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 3 मजदूरों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ। जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने शुरुआती जांच में जहरीली गैस को हादसे का कारण बताया है और पूरे मामले की गहनता से जांच हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले एक मजदूर सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा, जहां वह जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। उस मजदूर को बचाने के प्रयास में दो अन्य मजदूर भी टैंक में घुसे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। भारी ट्रैफिक के कारण बचाव कार्य में कुछ देरी हुई, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को बाहर निकाला गया। दुर्भाग्यवश, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है, जो सुल्तानपुरी के इंद्र झील इलाके के रहने वाले थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुंडका थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। फैक्ट्री मालिक की भूमिका भी जांच के दायरे में है। यह घटना एक बार फिर बिना उचित सुरक्षा उपकरणों के इसतरह के खतरनाक कार्यों को करने पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

नाजिया इलाही खान को पानीपत कोर्ट का नोटिस : धार्मिक टिप्पणियों पर संज्ञान

पानीपत (एजेंसी)। सोशल मीडिया हस्ती नाजिया इलाही खान की कानूनी मुश्किलें बढ़ी हैं। पानीपत की एक अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका पर संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है। यह याचिका मुस्लिम समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों और मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप है कि नाजिया ने एक पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर इस्लाम, मुस्लिम महिलाओं, पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब और हजरत आयशा से जुड़े विषयों पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन टिप्पणियों से मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अदालत ने नाजिया इलाही खान को 27 जुलाई को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। मुस्लिम लीगल ऐड ट्रस्ट के चेयरमैन और अधिवक्ता मोमिन मलिक ने बताया कि ट्रस्ट मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए काम करता है, और इसी उद्देश्य से यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने संबंधित बयानों और अन्य दस्तावेजों को याचिका के साथ संलग्न किया है। मोमिन मलिक ने नाजिया को विवादित सार्वजनिक व्यक्तित्व भी बताया, जो पूर्व में भी अपने बयानों को लेकर चर्चा में रही हैं। हालांकि, इन आरोपों पर नाजिया इलाही खान का पक्ष फिलहाल सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। मामले की आगामी सुनवाई में दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा, जिसके बाद अदालत आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी।

मुआवजा चाहिए, तब पीड़िता को देना होगा गवाही न बदलने का शपथ पत्र

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़ितों को एससी-एसटी अधिनियम के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के दुरुपयोग पर चिंता जताकर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। जस्टिस विशाल मिश्रा ने कहा है कि मुआवजा राशि का अगला चरण जारी करने से पहले पीड़िता को शपथ पत्र देना होगा। इसमें पीड़िता को यह वचन देना होगा कि वह मुकदमे के दौरान आरोपी से समझौता नहीं करेगी और न ही अपनी गवाही से मुकरेगी। यदि पीड़िता बाद में आरोपों से मुकरती है, तब पीड़िता को प्राप्त पूरी राशि सरकार को लौटानी होगी। राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया था कि कई मामलों में पीड़ित मुआवजा लेने के बाद ट्रायल के दौरान अपने बयान बदल देते हैं, जिससे अभियोजन कमजोर पड़ता है और सरकारी धन का उद्देश्य विफल होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राशि जमा न करने पर उसकी वसूली की जा सकेगी और ट्रायल कोर्ट उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई पर विचार कर सकेगा।

पुलिस द्वारा आरोपी को रस्सी बांधकर सड़क पर घुमाना गैरकानूनी : हाईकोर्ट

कोलकत्ता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आरोपी की कमर में रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से घुमाना कानून और मानवाधिकारों के विरुद्ध है। अदालत ने कहा कि आरोपी के साथ भी गरिमा और संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने यह टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान की पत्नी रेजिना बीबी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में गिरफ्तारी के बाद आरोपी को रस्सी से बांधकर ले जाने का आरोप लगाया गया था। राज्य सरकार ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हिमाचल प्रदेश में अगले 6 दिन बारिश की चेतावनी, अभी तक मानसून नहीं आया

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश से मौसम सुहावना हो गया और कई शहरों के रात के तापमान में खासी गिरावट दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले छह दिनों तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा। एक और दो जुलाई को प्रदेश के मध्यम ऊंचाई वाले कुछेक क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दौरान लोगों और पर्यटकों को नदी-नालों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गई है। हालांकि, इन बारिशों के बावजूद हिमाचल में अभी तक मानसून की आधिकारिक एंट्री के कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। प्रदेश में मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 22 जून है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई है और इसके देरी से पहुंचने की संभावना है। बीते 24 घंटे की बारिश से रात का पारा सामान्य से करीब पांच डिग्री तक नीचे पहुंच गया है, जिससे जून के अंत में भी ठंडक का एहसास हो रहा है। जून माह में अब तक प्रदेश में सामान्य से 31 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है; 26 जून तक 79.8 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 55.3 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज की गई है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: कांग्रेस की सुप्रीम कोर्ट जांच सहित 3 बड़ी मांगें

–बड़े अधिकारियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर राजनीतिक हलचल तेज है। कांग्रेस ने गंभीर मामले में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधकर तीन प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की बात प्रमुख है। पार्टी का कहना है कि करोड़ों रुपये के चढ़ावे में गड़बड़ी जैसे संवेदनशील मामले में निष्पक्ष जांच तभी संभव है, जब इसकी निगरानी देश की सर्वोच्च अदालत करे।

कांग्रेस नेता अखिलेश प्रताप सिंह ने सबसे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को तत्काल भंग करने की मांग की। कांग्रेस नेता का तर्क है कि इस ट्रस्ट पर देश का भरोसा खत्म हो चुका है, खासकर तब जब इसका गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और अब उसी से जुड़े लोगों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप में लिप्त हैं। उन्होंने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे की स्थिति स्पष्ट न होने पर सवाल उठाए, यह कहते हुए कि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय न होने पर पूरी जांच पर सवाल उठ सकते है।

कांग्रेस पार्टी की दूसरी प्रमुख मांग पूरे मामले

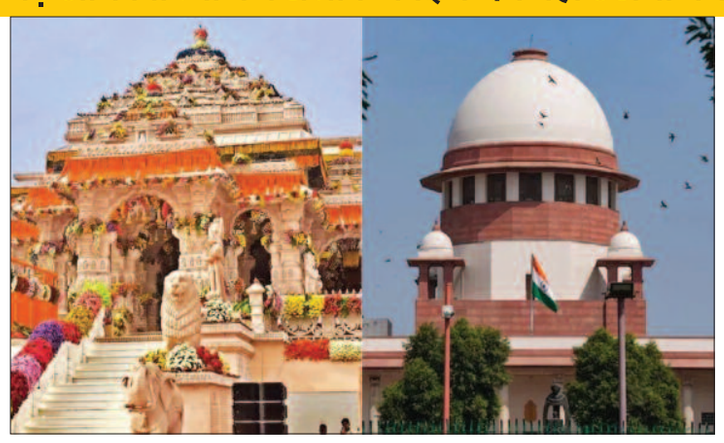

की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होना चाहिए है। कांग्रेस का मानना है कि अगर जांच सिर्फ राज्य सरकार या पुलिस के भरोसे रही, तब मामले से जुड़ी सच्चाई सामने नहीं आएगी। इसलिए एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी है। कांग्रेस ने मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। पार्टी का कहना है कि जब देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा मामला सामने आया है, तब प्रधानमंत्री मोदी को इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यदि भाजपा और आरएसएस वास्तव में भगवान राम के भक्त होते, तब वे खुद नैतिक आधार पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग करते।

तीसरी मांग के तौर पर, कांग्रेस ने ट्रस्ट में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले सभी लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। पार्टी का आरोप है कि अब तक केवल निचले स्तर के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, जबकि असली फैसले लेने वाले बड़े अधिकारियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है।

कांग्रेस ने दावा किया कि चढ़ावा चोरी की खबरें सामने आने के बाद राम मंदिर में मिलने वाले दान में कमी आई है। पार्टी के मुताबिक, श्रद्धालुओं का भरोसा प्रभावित हुआ है और इसी कारण अब लोग पहले की तरह खुलकर दान नहीं दे रहे हैं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिन पर चोरी, आपराधिक विश्वासघात, साजिश और भ्रष्टाचार से जुड़े प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। हालांकि, कांग्रेस अभी भी आरोप लगा रही है कि जांच केवल निचले स्तर तक सीमित है और असली जिम्मेदार लोगों तक नहीं पहुंची है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर धीरेंद्र शास्त्री भावुक : ये भी रावण हैं, बस रूप बदला

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर के दानपात्र से करोड़ों के चढ़ावे की चोरी की घटना पर आध्यात्मिक गुरु पंडित धीरेंद्र शास्त्री इंडोनेशिया के जकार्ता में भावुक हो गए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि ये भी रावण ही हैं, बस इनका रूप बदल गया है। शास्त्री ने तर्क दिया कि रावण ने केवल माता जानकी की चोरी की थी, जिसका परिणाम उसका पूरा कुल नाश हो गया था। लेकिन इन चोरों ने लाखों-करोड़ों लोगों की श्रद्धा और भरोसे को चुराया है। उन्होंने चेताया कि सच चाहे जिस भी बुरा लगे लगे, लेकिन सरकारी दंड के साथ-साथ इन अपराधियों को भगवान का महादंड भी अवश्य मिलेगा। इस मामले में पुलिस ने रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार जेल भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, फैजाबाद जेल में पहली रात सभी आरोपियों को नींद नहीं आई और वे रात भर करवटें बदलते व आपस में चर्चा करते रहे। उन्हें सोमवार को दुबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। चोरी का यह मामला 7 जून को सामने आया था, जिसके बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 13 जून को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी और 25 जून को मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जिसके कुछ ही घंटों बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी शुक्रवार को मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

राम मंदिर चढ़ावा मामला: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर अवैध रुप से धन संग्रह का आरोप

–जांच कर रही एसआईटी को मिली शिकायत

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर निर्माण में चढ़ावे की चोरी और अनियमितताओं के मामले में चल रही जांच में नया मोड़ आ गया है। प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ शिकायत मिली है, जिसमें उन पर अवैध रूप से धन संग्रह और दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे हैं।

शिकायतकर्ता ने राम मंदिर और स्वर्णालय निर्माण के नाम पर चंदा, सोना और चांदी इकट्ठा करने में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है। दावा है कि हजारों गांवों से जुटाया गया सोना, चांदी और अन्य दान अधिकृत ट्रस्ट को नहीं सौंपा गया। यह शिकायत यूपी सरकार द्वारा गठित एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत और अन्य सदस्यों को संबोधित की गई है। स्वामी गोविंदानंद सरस्वती ने व्यक्तिगत रूप से एसआईटी से मिलकर मामले में तत्काल जांच और कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया है।

एक ओर शंकराचार्य पर लगे आरोपों की जांच शुरू हो रही है, वहीं दूसरी ओर राम मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों को शुक्रवार, 26 जून को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, राम शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव शामिल हैं। ये सभी मंदिर को मिले नकद दान और कीमती सामान की गणना प्रक्रिया से जुड़े थे, जिनमें से पांच-

छह बैंक कर्मचारी बताए जा रहे हैं।

अभियोजन अधिकारी के मुताबिक, एसआईटी ने अब तक आरोपियों के पास से 79.85 लाख रुपये बरामद करने का दावा किया है। यह एफआईआर एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसे लखनऊ मंडलायुक्त पंत की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम ने 23 जून को प्रदेश सरकार को सौंपा था। इस एसआईटी का गठन राम मंदिर ट्रस्ट के आग्रह पर किया गया था।

एमडीडीए का बड़ा एक्शन: देहरादून में तीन अवैध निर्माण सील, अवैध निर्माणकर्ताओं में मचा हड़कंप

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शहर में अवैध निमार्णों के खिलाफ अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर चल रहे अवैध आवासीय और व्यावसायिक निमार्णों को सील कर दिया है। प्राधिकरण की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से बिना नक्शा पास कराए निर्माण कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया है।

प्राधिकरण की टीम ने सबसे पहले दोहरण रोड स्थित आईटी पार्क के निकट पुनीत अग्रवाल के अवैध व्यावसायिक निर्माण पर कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान यह निर्माण बिना एमडीडीए की स्वीकृति के संचालित पाया गया, जिसके बाद टीम ने तुरंत निर्माण स्थल को सील कर दिया। इसके बाद टीम जमन्नीवाला सिंगली रोड पहुंची, जहां अरुण कुमार गुप्ता द्वारा अवैध रूप से व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा था। इसे भी नियमों के विपरीत पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया और निर्माणकर्ता को चेतावनी दी गई। इन दोनों स्थानों पर कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता शैलेन्द्र सिंह रावत और अवर अभियंता विदिता अपनी सुपरवाइजरी टीम के साथ मौजूद रहे।

तीसरी महत्वपूर्ण कार्रवाई पंडितवाड़ी स्थित कैलाश पाम सिटी सोसायटी में की गई। यहां राकेश सुरी द्वारा बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर का अवैध निर्माण किया जा रहा था। यह निर्माण स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं था, जिसके चलते सहायक अभियंता शशांक सक्सेना और अवर अभियंता अभिजीत के नेतृत्व में पहुंची टीम ने पुलिस बल की भारी मौजूदगी में इसे सील कर दिया।

नियम टूटे तो होगी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

एमडीडीए ने स्पष्ट कर दिया है कि देहरादून और आसपास के क्षेत्रों का सुनियोजित विकास उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने दो टूक कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। प्रवर्तन टीम लगातार शहर की निगरानी कर रही है और जहां भी नियमों का उल्लंघन मिलेगा, वहां सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि अवैध निमार्णों के विरुद्ध नियमित निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने शहरवासियों और भवन स्वामियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्राधिकरण से आवश्यक अनुमतियां और नक्शा जरूर पास कराएं तथा निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करें।

समर कैंप के समापन पर 125 बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण, सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने निभाया वादा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। एहसास महिला समिति द्वारा आयोजित 17 दिवसीय समर कैंप के समापन पर 125 बच्चों के लिए विशेष शैक्षणिक एवं मनोरंजक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का संपूर्ण प्रायोजन लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने किया।

कुछ दिन पूर्व सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने निष्काम भवन में चल रहे समर कैंप का निरीक्षण किया था। बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन और उत्साह से प्रभावित होकर उन्होंने उनके लिए विशेष भ्रमण कराने की घोषणा की थी। शनिवार को उन्होंने अपना वादा निभाते हुए बच्चों के लिए इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन कराया।

भ्रमण के दौरान बच्चों को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे स्थित हवा-हवाई प्वाइंट ले जाया गया, जहां खेल-कूद, मनोरंजन, समूह गतिविधियों तथा विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने गेम्स खेले, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और विमान को नजदीक से देखने व उसमें बैठने का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया।

इस अवसर पर हवा-हवाई प्वाइंट पहुंचने पर सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान का निष्काम सेवक जत्था समिति के मुख्य संरक्षक सरदार चानन लाल ढींगरा तथा अध्यक्ष सरदार जसमीत सिंह ने स्मृति-चिह्न एवं सम्मान पटका भेंट कर स्वागत

किया।

इससे पहले भ्रमण दल को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) भास्कर वर्मा, नगर पंचायत निवाड़ी के अध्यक्ष अनिल त्यागी, सभासद मोनू धामा तथा निष्काम सेवक जत्था समिति के अध्यक्ष सरदार जसमीत सिंह ने संयुक्त रूप से निष्काम भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सांसद की ओर से बच्चों के लिए आवागमन, भोजन, खेल-कूद, मनोरंजन तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कराई गईं। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरे पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दी।

सुरक्षा की दृष्टि से 125 बच्चों को 10-10 के समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह की जिम्मेदारी एक शिक्षिका को सौंपी गई, जिन्होंने पूरे भ्रमण के दौरान बच्चों की सुरक्षा, अनुशासन और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी निभाई।

इस दौरान बच्चों ने अपने हाथों से बनाए गए स्केच और चित्र सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान को भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

एहसास महिला समिति की संस्थापिका अनुप्रीत कौर ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ नए अनुभव, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ना था। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता, वरिष्ठ पदाधिकारी, समर कैंप की शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। संस्था और अभिभावकों ने सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने वादे को निभाकर बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का कार्य किया।

पेट्रोल पंपों से देशभर तक पहुंचेगा पहाड़ का स्वाद, डोईवाला में खुलेगा प्रदेश का पहला हिलान्स आउटलेट

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्पादों के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में देहरादून जिला प्रशासन और रीप परियोजना ने नई पहल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और महिला सशक्तिकरण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार स्थानीय उत्पाद अब पेट्रोल पंपों पर स्थापित होने वाले हिलान्स आउटलेट के माध्यम से देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचेंगे। इस पहल से महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पादों को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है।

ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों के सामने लंबे समय से उत्पादों के विपणन की चुनौती रही है। इसी समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के साथ राज्य स्तर पर समझौता किया है। इसके तहत प्रमुख पेट्रोल पंपों पर विशेष हिलान्स आउटलेट स्थापित किए जाएंगे, जहां पेट्रोल डीजल भरवाने आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग सीधे पहाड़ी उत्पाद खरीद सकेंगे। जिला परियोजना प्रबंधक सोनम गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में विकासखंड डोईवाला स्थित फन एंड फूड किंगडम वाटर पार्क के पास स्थित इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के पेट्रोल पंप पर

प्रदेश का पहला हिलान्स आउटलेट खोला जाएगा। इसके बाद योजना का विस्तार अन्य पेट्रोल पंपों तक किया जाएगा। इन आउटलेट्स पर उत्तराखंड के पारंपरिक और शुद्ध उत्पाद उपलब्ध होंगे। इनमें गहत, भट्ट और तोर जैसी पहाड़ी दालें, स्थानीय मसाले, जड़ी-बूटियां, डेयरी एवं खाद्य उत्पाद तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार हस्तनिर्मित हस्तशिल्प सामग्री शामिल रहेगी। इससे एक ओर स्थानीय उत्पादों को स्थायी बाजार मिलेगा तो दूसरी ओर पर्यटकों को उत्तराखंड की संस्कृति, स्वाद और पारंपरिक विरासत से जुड़ी वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। प्रशासन का मानना है कि यह पहल केवल बिक्री केंद्र स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को नई मजबूती देने का माध्यम बनेगी। पेट्रोल पंपों के माध्यम से इन उत्पादों की पहुंच बढ़ने से स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा। यह पहल उत्तराखंड की स्थानीय पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के साथ महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को भी नई दिशा देगी।

गाजियाबादः अवैध निमार्णों पर गरजा जीडीए का बुलडोजर, अशोक नगर में सीलिंग और ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने पुलिस बल के साथ मिलकर अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले अवैध निमार्णों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की। इस दौरान पूर्व में दिए गए नोटिस और काम रोकने के आदेशों की अनदेखी करने वाले निर्माणकताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए सीलिंग और ध्वस्तीकरण किया गया।

जीडीए उपाध्यक्ष के सख्त निदेशों के बाद प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने अशोक नगर इलाके में दो अलग-अलग संपत्तियों पर एक्शन लिया। पहली कार्रवाई अशोक नगर स्थित एक ऐसी संपत्ति पर हुई, जहां स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण की ओर से काम रोकने के आदेश और नोटिस दिए गए थे, लेकिन निर्माणकर्ता ने नियमों की परवाह न करते हुए काम जारी रखा। इसके बाद जीडीए की टीम ने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर इस अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

इसी क्रम में, अशोक नगर में ही एक अन्य संपत्ति पर बिना नक्शा पास

कराए धड़ल्ले से निर्माण चल रहा था। वैधानिक नोटिस और काम रोकने के स्पष्ट निदेशों की अवहेलना करने पर प्राधिकरण की टीम ने इस

संपत्ति को भी मौके पर ही सील कर दिया।

प्लॉट CD-16A पर भी चला डंडा

इन दो कार्रवाइयों के अलावा, प्लॉट संख्या CD-16A पर भी प्राधिकरण का बुलडोजर चला। यहां स्वीकृत भवन मानचित्र का सीधा उल्लंघन करते हुए टैरेस फ्लोर (छत) पर एक अतिरिक्त कमरा बना लिया गया था। प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने इस अतिरिक्त अवैध निर्माण को नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई के दायरे में लेते हुए मौके पर ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से शांतिपूर्ण और प्रभावी ढंग से संपन्न कराई गई। जीडीए ने साफ चेतावनी दी है कि नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा और क्षेत्र में यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जनता हाई स्कूल के सामने बने कट को यू-टर्न में बदलने की मांग, दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ तहसील क्षेत्र के ब्लॉक सिंभावली अंतर्गत गांव खुडलिया की सीमा में पुराने हाईवे पर जनता हाई स्कूल के सामने बने सड़क कट को यू-टर्न में परिवर्तित किए जाने की मांग उठी है। ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों के अनुसार, जनता हाई स्कूल के सामने बना यह कट लगभग 50 मीटर की दूरी पर स्थित लिंक रोड को जोड़ता है। लिंक रोड से आने वाले वाहन सीधे विपरीत दिशा में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और

राहगीरों की जान जोखिम में पड़ती है। ग्राम निवासी धर्मेंद्र शर्मा सहित अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मांग की है कि इस कट को तकनीकी मानकों के अनुरूप यू-टर्न में बदला जाए, ताकि वाहनों की आवाजाही सुरक्षित हो सके और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सिंभावली शुगर मिल के गन्ना पेराई सत्र के दौरान इसी स्थान के सामने बने गन्ना यार्ड में ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य भारी वाहनों का लगातार आवागमन रहता है। भारी वाहनों की आवाजाही के बीच मौजूदा कट के कारण कई बार हादसे हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि समय रहते यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जनहित और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

काबड़ौत में आज नींव से निर्माण संकल्प सभा को संबोधित करेंगे जयंत सिंह, केंद्रीय विद्यालय की सौगात पर जताया जाएगा आभार

शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत सिंह रविवार को शामली जनपद के निकटवर्ती गांव काबड़ौत में आयोजित नींव से निर्माण संकल्प सभा को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम रविवार शाम चार बजे केंद्रीय विद्यालय के अस्थायी भवन के निकट आयोजित होगा। सभा को लेकर सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, रालोद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से तैयारियों में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इस अवसर पर शामली जनपद को केंद्रीय विद्यालय की सौगात मिलने पर राष्ट्रीय लोकदल की ओर से केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह का सार्वजनिक आभार व्यक्त किया जाएगा। रालोद नेताओं का कहना है कि लंबे समय से जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग की जा रही थी, जिसे अब केंद्र सरकार की स्वीकृति मिलने के बाद साकार रूप मिला है। इससे जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने बताया कि उन्होंने 22 जून 2025 को केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत सिंह को पत्र लिखकर शामली में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग उठाई थी। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि जनपद की स्थापना को वर्षों बीत जाने के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में शामली अपेक्षाकृत पिछड़ा हुआ है। आसपास के सभी जनपदों में केंद्रीय विद्यालय संचालित हैं, जबकि शामली के विद्यार्थियों को इस सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा था। इसके बाद उन्होंने कई बार जयंत सिंह से मुलाकात कर इस मांग को प्रमुखता से उठाया। लगातार प्रयासों के बाद एक अक्टूबर 2025 को ग्राम काबड़ौत में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृति मिली। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद विद्यालय के संचालन की प्रक्रिया शुरू की गई और फिलहाल अस्थायी भवन में प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। जल्द ही नियमित रूप से शैक्षणिक गतिविधियां शुरू होने की उम्मीद है। इससे पहले 10 जून को केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति पर आभार रैली प्रस्तावित थी, लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा एनडीए के घटक दलों की विशेष बैठक बुलाए जाने के कारण कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा था। अब रविवार को आयोजित नींव से निर्माण संकल्प सभा के माध्यम से केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को जिले के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए जयंत सिंह का अभिनंदन किया जाएगा। रालोद नेताओं ने कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

पल्स पोलियो अभियान : स्वास्थ्य विभाग ने विशाल जागरूकता रैली का किया आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पल्स पोलियो अभियान को लेकर एमएमजी जिला चिकित्सालय परिसर गाजियाबाद से एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद डॉ. सचिन वैश्य ने हरी झंडी दिखाकर किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पोलियो एक गम्भीर बीमारी है, जो बच्चे को जीवनभर के लिए विकलांग बना सकती है, किन्तु समय पर पोलियो की खुराक दिलाकर इससे पूर्णतः बचाव सम्भव है। जनपद के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर अभिभावक को सन्देश देते हुए कहा कि अपने घर का 5 वर्ष तक की आयु का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से न छूटे। पोलियो जैसी बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिये प्रत्येक बच्चे को पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने यह

भी कहा कि पल्स पोलियो अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नही, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। रैली में 47 पीएसी बटालियन, सिविल डिफेंस, डब्लूएचओ, एनपीएसपी, यूएनडीपी, जीरो डोज गावी के प्रतिनिधि, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह रैली एमएमजी जिला चिकित्सालय गाजियाबाद से प्रारम्भ होकर हापुड मोड होते हुऐ नवयुग मार्केट स्थित डॉ. भीमराव अम्बेकडर पार्क तक निकाली गयी, जहां जनसामान्य को पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया। इस रैली में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एमएमजी जिला चिकित्सालय डॉ. राकेश सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता, उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. जितेन्द्र सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी गाजियाबाद जीके मिश्रा, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक नरेन्द्र, पीटी अनुराग रोहिला, एसएमओ, डब्लूएचओ डॉ. अभिषेक भी सम्मिलित थे।

चेन लूट का मुकदमा वापस न लेने पर मां बेटे पर धारदार हथियार से हमला, दोनों घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। संजय पुरी कॉलोनी में दो दिन पहले हुई चेन लूट की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने से नाराज आरोपियों ने शुक्रवार देर रात मां-बेटे पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पीड़ितों ने घटना की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार संजय पुरी कॉलोनी निवासी पूनम उपाध्याय ने दो दिन पूर्व पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका पुत्र मुकुल कॉलोनी में जा रहा था, तभी बाइक सवार रिंकू और बादल, निवासी संजय पुरी, उसके गले से सोने की चेन लूटकर फरार हो गए थे। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद से दोनों आरोपी लगातार रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर वे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दे रहे थे। बताया गया कि शुक्रवार रात पूनम उपाध्याय अपना ब्यूटी पार्लर बंद कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर उनका पुत्र मुकुल मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उस पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में मां बेटे दोनों घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा नामजद आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

जीडीए की बड़ी कार्रवाईः अशोक नगर में दो अवैध इमारतें सील, अवंतिका में चला बुलडोजर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों और कॉलोनियों के खिलाफ अपना अभियान सख्त कर दिया है। शनिवार (27 जून 2026) को जीडीए के प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने प्राधिकरण पुलिस बल के साथ मिलकर शहर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने अवंतिका क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर किए गए एक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया, जबकि अशोक नगर में नोटिस के बावजूद चोरी-छिपे बन रही दो इमारतों को सील कर दिया है।

अवंतिकाः सेटबैक कवर करने पर हुआ ध्वस्तीकरण

जीडीए अधिकारियों के अनुसार, अवंतिका स्थित भूखंड संख्या सीडी-16ए पर मनोज बेनीवाल और विजया बेनीवाल द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत सेटबैक (छोड़ी जाने वाली खाली जगह) को कवर करके निर्माण कार्य किया जा रहा

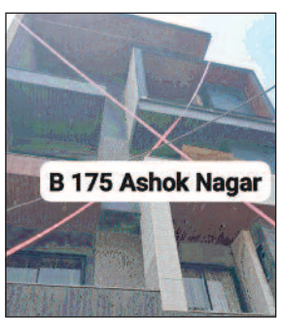

था। इस मामले में प्राधिकरण ने 26 फरवरी 2026 को कारण बताओ और काम रोकने का नोटिस जारी किया था। इसके बाद 13 मार्च को रिमाइंडर भी भेजा गया, लेकिन निर्माणकताओं की ओर से कोई संतोषजनक जवाब या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद जीडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर इस अवैध निर्माण को ध्वस्त कर उसे पूरी तरह अनुपयोगी बना दिया।

अशोक नगरः नोटिस के बाद भी जारी था काम, दो इमारतें सील

प्रवर्तन टीम ने अशोक नगर में दो स्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई

की।

त पहला मामला भूखंड संख्या बी-82 का है, जहां सीमा जैन (पत्नी अशोक कुमार) द्वारा जीडीए से नक्शा पास तो कराया गया था, लेकिन निर्माण स्वीकृति के विपरीत किया जा रहा था। यहां भी सेटबैक का उल्लंघन मिला। अक्टूबर 2025 में काम रोकने का नोटिस और अनुस्मारक दिए जाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला और चोरी-छिपे काम चलता रहा।

त दूसरा मामला अशोक नगर के ही भूखंड संख्या बी-175 का है। यहां राजीव गुप्ता और अंकित गुप्ता द्वारा अनाधिकृत रूप से निर्माण किया जा रहा था। इस पर अक्टूबर 2024 में ही कारण बताओ और काम रोकने का नोटिस जारी किया गया था। कोई जवाब न मिलने पर 2 अप्रैल 2025 को इस निर्माण के ध्वस्तीकरण के आदेश भी पारित किए जा चुके थे। दोनों ही मामलों में बिल्डरों द्वारा लगातार निर्माण कार्य जारी रखने पर, जीडीए ने प्रभावी रोक लगाने के लिए शनिवार को इन दोनों निमार्णाधीन इमारतों को सील कर दिया।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

प्राधिकरण का स्पष्ट कहना है कि शहर में बिना नक्शे या स्वीकृति के विपरीत हो रहे निमार्णों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रवर्तन जोन-4 और पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद जीडीए ने चेतावनी दी है कि अवैध निमार्णों के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग का यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद से की मुलाकात, टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने की उठाई मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के निर्देश पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, हापुड़ के प्रतिनिधिमंडल ने मेरठ लोकसभा सांसद अरुण गोविल से भेंट कर वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों से टीईटी (टीईटी) की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। सांसद ने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को संसद के आगामी मानसून सत्र में शून्यकाल के दौरान उठाएंगे। जिला अध्यक्ष अशोक कश्यप के नेतृत्व में महासंघ के पदाधिकारियों ने सांसद से वर्ष 2010 से पूर्व तथा उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने के विषय पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को समर्थन पत्र भेजने तथा इस संबंध में आवश्यक विधायी संशोधन कराने की मांग भी रखी। कार्यकारी जिला अध्यक्ष विजय कुमार त्यागी ने शिक्षक समाज की समस्याओं, विधिक पहलुओं, प्राकृतिक न्याय और मानवीय आधारों को सांसद के समक्ष रखा। वहीं, जिला महामंत्री आदर्श गोयल ने शिक्षक हितों की रक्षा करते हुए न्यायसंगत एवं संवेदनशील निर्णय लेने का आग्रह किया। सांसद अरुण गोविल ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि वह इस विषय को संसद के मानसून सत्र में शून्यकाल के दौरान प्रमुखता से उठाकर समाधान का प्रयास करेंगे। इस दौरान संगठन मंत्री मोहर सिंह, कोषाध्यक्ष संजय सक्सेना, धर्मवीर सिंह, बृजपाल, मनोज पाल, अरविंद, सुमित, शेखर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छुट्टी के दिन सरकारी विद्यालय में बच्चों से कराई सफाई, वीडियो वायरल, बीएसए ने बैठाई जांच

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव असौड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में छुट्टी के दिन बच्चों से सफाई कार्य कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने दो सदस्यीय जांच समिति का गठन कर जांच के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, 24 जून को विद्यालय में अवकाश होने के बावजूद कुछ छोटे बच्चों को स्कूल बुलाया गया। वायरल वीडियो में बच्चे हाथों में झाड़ू और कपड़ा लेकर विद्यालय की खिड़कियों, दीवारों और जालों की सफाई करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, एक शिक्षक विद्यालय परिसर के बाहर मोबाइल फोन पर व्यस्त नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। अभिभावकों और स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों से इस प्रकार सफाई कार्य कराना उनके अधिकारों का उल्लंघन है और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों ने संबंधित शिक्षक और प्रधानाध्यापक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मामले में बीएसए दीपा भाटी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए दो सदस्यीय जांच टीम गठित की है, जिसमें संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को भी शामिल किया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसबीआई शाखा में सेंध लगाकर चोरी का प्रयास, नकदी न मिलने पर कंप्यूटरों में की तोड़फोड़

शामली (शिखर समाचार)। बजाज शुगर मिल परिसर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में शनिवार देर रात एक नकाबपोश बदमाश ने दीवार में सेंध लगाकर चोरी का प्रयास किया। बैंक की हाई सिक्योरिटी व्यवस्था के चलते वह कैश कक्ष और लॉकर तक नहीं पहुंच सका। चोरी में असफल होने पर बदमाश ने बैंक में रखे सात-आठ कंप्यूटर और मॉनीटर में तोड़फोड़ कर दी तथा मौके से फरार हो गया। रविवार सुबह बैंक प्रबंधक के शाखा पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। बैंक के भीतर सामान बिखरा पड़ा था और कई कंप्यूटर क्षतिग्रस्त मिले। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बैंक की सुरक्षा टीम, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। फुटेज में एक नकाबपोश संदिग्ध बैंक परिसर में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। पुलिस उसकी पहचान करने और फरार आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। बैंक प्रबंधक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद बैंक की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अग्निकांड के पीड़ित जयंत की रीढ़ की हड्डी का हुआ सीटी स्कैन

लखनऊ, एजेंसी। ट्रॉमा की आईसीयू में भर्ती अलीगंज अग्निकांड में घायल हुए जयंत गुप्ता की रीढ़ की हड्डी का सीटी स्कैन कराया गया। डॉक्टरों का कहना है कि हड्डी की चोट अभी गंभीर है। टीम सेहत पर नजर बनाए हुए हैं।

हादसे के दौरान जान बचाने के लिए दूसरे तल स्थित एनीमेशन सेंटर की छत से कूदने वाले एलडीए कॉलोनी निवासी जयंत गुप्ता की रीढ़ की हड्डी में चोट आई है। ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि जयंत को चलने में काफी परेशानी है। जांच रिपोर्ट और मरीज की स्थिति के आधार पर तय होगा कि ऑपरेशन की जरूरत है या नहीं।

हजरत हुसैन की कुर्बानी और हक-इंसाफ का पैगाम गूंजा

लखनऊ, एजेंसी। सुन्नी धर्मगुरु खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने दीन की बुनियादी शिक्षाओं और हक-इन्साफ की हिफाजत के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया। उन्होंने हक की राह में शहादत को अल्लाह की बड़ी नेमत बताया। यह बात उन्होंने इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया फरंगी महल के नौवें जलसे में कही। राजधानी में अशरा-ए-मुहर्रम की नौवीं मजलिसों और जलसों में कर्बला के पैगाम पर जोर दिया गया। उलेमा ने बताया कि कर्बला का वाकया इंसानियत को सब्र, कुर्बानी और इंसाफ की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। इमामबाड़ा गुफरान मआब में मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। अकबरी गेट स्थित इमामबाड़ा सैय्यद तकी साहब में मौलाना सैफ हामदी मस्जिद दरियापुर में आयोजित कार्यक्रम में अब्बास नकवी ने मौला अली को अल्लाह द्वारा इमाम बनाए जाने का महत्व बताया। अकबरी गेट स्थित एक मिनारा मस्जिद में नौवें जलसे में मुफ्ती निजामुद्दीन ने कहा कि इमाम हुसैन की शहादत जुल्म के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है।

शमन मानचित्र पास करवाकर निर्माण को करा सकते हैं वैध

लखनऊ, एजेंसी। नई भवन निर्माण उपविधि में उन लोगों के लिए मौका है जिन्होंने अवैध निर्माण कर लिया है। वे नीति के प्रावधानों के तहत शमन मानचित्र पास कराकर निर्माण को वैध करने के साथ सुरक्षित भी कर सकते हैं। इससे अलीगंज में हुए अग्निकांड जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है। शहर में अवैध निर्माणों की संख्या 50 हजार से अधिक मानी जाती है, लेकिन अब तक 203 लोगों ने ही अपने निर्माण को नई नीति के तहत वैध कराया है। इसके अलावा 55 और को मंजूरी मिलने वाली है।

बीते वर्ष जुलाई में नई भवन निर्माण उपविधि 2025 को लागू किया गया। इसे पहले से सरल बनाया गया, जिससे आवासीय सहित अन्य गतिविधियों के लिए कम जमीन पर ज्यादा से ज्यादा निर्माण हो सके। इसके लिए आवास विभाग ने 18 वर्ष पुरानी भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2008 के स्थान पर नए सिरे से भवन निर्माण एवं विकास उपविधि बनाई। इसमें 24 मीटर या उससे ज्यादा चौड़ी सड़क पर स्थित आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक निर्माण की अनुमति दी गई। भवन की ऊंचाई पर प्रतिबंध हटा दिया।

इसी तरह 12 मीटर तक चौड़ी सड़क पर आवासीय भूखंड पर सिर्फ व्यावसायिक इस्तेमाल की अनुमति की भी छूट दी गई, लेकिन इसके लिए शमन मानचित्र पास कराने की व्यवस्था को अनिवार्य किया गया। इससे भू उपयोग आवासीय से व्यावसायिक करने के लिए सेटबैक और पार्किंग आदि व्यवस्थाओं को लागू किया जा सके और बिल्डिंग का जितना हिस्सा अवैध है उसे तोड़ा जा सके। शमन मानचित्र पास कराने का शुल्क भी तय है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि लोगों को नई भवन निर्माण उपविधि के तहत निर्माण को वैध कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जोनल अधिकारी अपने जोन में जाकर बैठक कर रहे हैं। लोगों को बता रहे हैं कि वे किस तरह अपने निर्माण को मानकों के तहत वैध करा सकते हैं। अभी तक 250 से अधिक लोगों ने आवेदन किया है।

वेस्ट हीट से बिजली उत्पादन की तकनीक पेटेंट

गोरखपुर, एजेंसी। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ। प्रेम शंकर यादव को उनके वेस्ट हीट ड्रिवन थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर सिस्टम पर पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस तकनीक का विकास उन्होंने डॉ। राघवेंद्र गौतम, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली तथा डॉ। संगीता सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, जेएसएस एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नोएडा के साथ मिलकर किया है।

हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचेगा विकास, 6,568 करोड़ की 1,284 परियोजनाओं को मिलेगी गति: मुख्यमंत्री योगी

नोएडा (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को विकास कार्यों में समान महत्व दिया जाएगा और कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता नहीं रहेगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सांसदों और विधायकों की प्राथमिकताओं के आधार पर विकास योजनाएं तैयार की जाएं तथा जनहित की परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देकर समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। शनिवार को गौतमबुद्धनगर में मेरठ मंडल की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि मंडल में अब तक 6,568.36 करोड़ रुपये की लागत वाली 1,284 विकास परियोजनाएं चिन्हित की जा चुकी हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास प्रस्ताव ऐसे क्षेत्रों के लिए तैयार किए जाएं जहां पहले इस प्रकार के कार्य नहीं हुए हैं, ताकि विकास का लाभ नए क्षेत्रों तक पहुंचे और संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रस्तावों को कार्ययोजना में समुचित स्थान दिया जाए। यदि किसी स्वीकृत परियोजना का कार्य अधूरा है तो उसे भी योजना में शामिल कर शीघ्र पूरा कराया जाए, जिससे जनता को समय पर उसका लाभ

मिल सके। धार्मिक एवं धर्मार्थ कार्यों के संबंध में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रस्ताव ऐसे स्थलों के लिए तैयार किए जाएं जहां श्रद्धालुओं की संख्या अधिक हो और निर्माण कार्य के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो तथा गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य पूरे किए जाएं। बैठक में औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री के. पी. मलिक, पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कुमार कश्यप, सैनिक कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सोमेंद्र तोमर, लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री एवं गौतमबुद्धनगर के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक, मेरठ मंडल के सांसद एवं विधायक, मंडलायुक्त मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा कृष्णा करुणेश, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम सहित शासन, प्रशासन, प्राधिकरण और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जौहर ट्रस्ट की रामपुर में चल रही थी सरकार, अब विवि पर होगी कार्रवाई, ईडी की जांच हुई आसान

लखनऊ, एजेंसी। जौहर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने आयकर की पूछताछ में भवनों के निर्माण की कुल लागत 46 करोड़ रुपये बताई थी जबकि अधिकारियों से कराए गए सर्वे में लागत 450 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई थी। इसमें सरकार की दूसरी योजनाओं का भी धन इस्तेमाल किया गया। रामपुर में पूर्व मंत्री आजम खां और उनके परिजनों की जौहर ट्रस्ट अपनी अलग सरकार चला रही थी। ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन निरस्त होने के आदेश में इससे जुड़े कई अहम खुलासे हुए हैं। आयकर की जांच में सामने आया है कि जौहर ट्रस्ट सरकार की तरह फैसले ले रही थी। जौहर यूनिवर्सिटी की इमारतों के निर्माण में दूसरी योजनाओं में खर्च होने वाली सरकारी रकम पानी की तरह इस्तेमाल की गई। ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बाद अब ईडी भी जौहर यूनिवर्सिटी को जब्त करने की कार्रवाई करने की तैयारी में है। आयकर विभाग की जांच में विवि के निर्माण में बेशुमार सरकारी धन खर्च किए जाने के सुबूत मिले हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने आयकर की पूछताछ में भवनों के निर्माण की कुल लागत 46 करोड़ रुपये बताई थी जबकि अधिकारियों से कराए गए सर्वे में लागत 450 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई थी। वहीं आयकर विभाग भी ट्रस्ट से 494 करोड़ रुपये का स्रोत पूछेगा जिसके बाद टैक्स के साथ जुर्माना और ब्याज भी वसूला जाएगा। आयकर विभाग के अधिकारी अभी इसका आकलन कर रहे हैं। ट्रस्ट ने बीते दिसंबर में आयकर विभाग के आरोपों का जवाब भी दिया था, लेकिन वह कोई तथ्यात्मक जानकारी या दस्तावेज नहीं दे सका।

सिद्धपीठ श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू, निकली भव्य कलश यात्रा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर के मोहल्ला साहूवान, पाधान और मनिहारी सराय के तिराहे पर स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शनिवार से श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हो गया। मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के बाद नई मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोजित इस धार्मिक आयोजन के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सैकड़ों वर्ष पुराने इस सिद्धपीठ मंदिर का हाल ही में श्रद्धालुओं के सामूहिक सहयोग से जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराया गया। इसके उपरांत मंदिर में नई मूर्तियों की स्थापना के लिए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बद्रीनाथ से आए आचार्य पंकज देवरानी ने विधि

विधान के साथ पूजा अर्चना एवं अनुष्ठान संपन्न कराया। इसके बाद मंदिर परिसर से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई मोहल्ला पाधान स्थित श्री खोखर महादेव मंदिर पहुंची। वहां पूजा अर्चना के बाद मुख्य बाजार से गुजरते हुए श्रद्धालु पुनः पीपलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां कलश यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के दौरान महिला और पुरुष श्रद्धालु भगवान शिव के जयघोष और भजनों के साथ भक्तिमय वातावरण में आगे बढ़ते रहे। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

अनुष्ठान एवं कलश यात्रा में मोहित ठाकुर, कलुआ कारीगर, राजेश अग्रवाल, युवराज सिंह, अनूप गुप्ता, राजू, राजकुमार सेठी, अरविंद अग्रवाल, प्रहलाद कुशवाहा, राजेंद्र चौहान, गौरव अग्रवाल, मनी शर्मा, सीमा अग्रवाल, मीनाक्षी शर्मा, नीलम अग्रवाल, कीर्ति अग्रवाल, गायत्री वर्मा, निधि अग्रवाल, रेखा शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

जिला जज, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला जज, जिलाधिकारी कविता मीना तथा पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने शनिवार को जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और कारागार प्रशासन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार परिसर का भ्रमण कर विभिन्न बैरकों, रसोईघर, चिकित्सालय, स्वच्छता व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी प्रबंधों का गहन परीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कारागार प्रशासन से बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण, नियमित चिकित्सकीय सुविधा तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने कारागार परिसर को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता की समीक्षा करते हुए कहा कि पात्र बंदियों को समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई का

सामना न करना पड़े। उन्होंने बंदियों के अधिकारों के संरक्षण और न्यायिक प्रक्रियाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कारागार प्रशासन को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप बंदियों को सभी मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा सुरक्षा उपकरणों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। संयुक्त निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार प्रशासन से विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि बंदियों की सुरक्षा, सुविधा और सुधारात्मक गतिविधियों से जुड़े सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित किए जाएं।

खून के रिश्ते कलंकित: छत पर सो रहे साले की चाकू से गोदकर हत्या, सगा बहनोई गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। किरतपुर थाना क्षेत्र के गांव भनेड़ा में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक सगे बहनोई ने अपने 25 वर्षीय साले की घर की छत पर सोते समय चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गांव भनेड़ा निवासी सचिन रात में रोज की तरह अपने घर की छत पर सो रहा था। इसी दौरान उसका बहनोई शील कुमार वहां पहुंचा और धारदार चाकू से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमला इतना अचानक और घातक था कि सचिन को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

सूचना मिलने पर किरतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी शील कुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद आकांक्षा गौतम ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हत्या के पीछे के कारणों की गंभीरता से जांच की जा रही है। मामले में साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।

श्रीराम के वनवास प्रसंग का मार्मिक वर्णन, वचन पालन को बताया जीवन का सर्वोच्च धर्म

शामली (शिखर समाचार)। शहर के हनुमान धाम स्थित अग्रसेन भवन में श्रीराम लखन सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास दीपक महाराज ने भगवान श्रीराम के वनवास प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को मयार्दा, त्याग और वचन पालन का संदेश दिया।

कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीराम का वनवास रामायण की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। यह प्रसंग बताता है कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए व्यक्तिगत सुख का त्याग भी आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि एक युद्ध के दौरान रानी कैकेयी ने राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा की थी। इससे प्रसन्न होकर राजा दशरथ ने उन्हें दो वरदान देने का वचन दिया था, जिन्हें कैकेयी ने उस समय सुरक्षित रख लिया था।

उन्होंने कहा कि जब श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारियां चल रही थीं, तब दासी मंथरा ने

कैकेयी के मन में यह आशंका पैदा कर दी कि श्रीराम के राजा बनने के बाद भरत का अधिकार समाप्त हो जाएगा। मंथरा के बहकावे में आकर कैकेयी ने राजा दशरथ से अपने दोनों वरदान मांग लिए। पहले वरदान में भरत को अयोध्या का राजा बनाने और दूसरे में श्रीराम को 14 वर्ष के वनवास पर भेजने की मांग की। कथा व्यास ने कहा कि राजा दशरथ इस निर्णय से अत्यंत दुखी हुए, लेकिन रघुकुल की परंपरा के अनुसार वचन पालन को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने अपने वचन का निर्वहन किया। भगवान श्रीराम ने भी पिता के सम्मान और वचन की रक्षा के लिए बिना किसी विरोध के वनवास स्वीकार कर लिया। माता सीता और छोटे भाई लक्ष्मण भी उनके साथ वन के लिए प्रस्थान कर गए।

उन्होंने बताया कि जब भरत को इस घटना का पता चला तो उन्होंने इसका विरोध किया और श्रीराम को वापस अयोध्या लाने के लिए वन पहुंचे। हालांकि श्रीराम ने पिता के वचन को सर्वोच्च मानते हुए लौटने से इनकार कर दिया। इसके बाद भरत ने श्रीराम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर स्वयं को उनका प्रतिनिधि मानते हुए राज्य का संचालन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर प्रभु श्रीराम के आदर्शों का श्रवण करते रहे।

इस अवसर पर संजय त्यागी, सुरेंद्र बंसल, तेजेंद्र निर्वाल, यशपाल पंवार, सचिन जैन, राजकुमार तायल, अवनीश संगल, अशोक गोयल, सचिन मित्तल, अनिल गोयल, शिव कुमार मित्तल, संदीप मित्तल, राजकमल मित्तल, विजय गोयल, सुभाष तायल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण दिवस अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर से अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने पल्स पोलियो जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। रैली के माध्यम से आमजन को पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अंशिका दीक्षित ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान का उद्देश्य जन्म से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद पिलाकर उसे इस गंभीर और दिव्यांगता पैदा करने वाली बीमारी से सुरक्षित रखना है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि

अभियान के दौरान कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करने का आह्वान किया।

जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकली। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने पोलियो उन्मूलन से जुड़े जागरूकता नारों के माध्यम से लोगों को अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को भी अपने बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक दिलाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, आशा कार्यकर्ता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

8,200 करोड़ के सेल सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी बोलेः उत्तर प्रदेश बनेगा ग्रीन एनर्जी और सोलर निर्माण का प्रमुख केंद्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-8 में सेल सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अत्याधुनिक सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। लगभग 8,200 करोड़ रुपये के निवेश से 200 एकड़ क्षेत्र में स्थापित होने वाला यह संयंत्र 5 गीगावाट सोलर सेल तथा 5 गीगावाट सोलर मॉड्यूल निर्माण क्षमता से युक्त होगा। परियोजना के माध्यम से प्रदेश में लगभग 5,000 प्रत्यक्ष एवं 15,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे और उत्तर प्रदेश ग्रीन एनर्जी तथा सोलर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्षों में आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संकट के दौर में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैं। इंटरनेशनल सोलर एलायंस जैसी पहल ने भारत को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश में छह लाख से अधिक परिवार सोलर पैनल लगाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे बिजली खर्च में कमी आई है और प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार अगले दो वर्षों में 2,000 मेगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। वर्तमान में प्रदेश 6,000 मेगावाट से अधिक बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त कर रहा है। साथ ही पराली से सीबीजी, सीएनजी और इथेनॉल उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक इथेनॉल उत्पादन करने वाला राज्य बन चुका है। इथेनॉल ब्लेंडिंग नीति से चीनी उद्योग को मजबूती मिली है और गन्ना किसानों को पिछले नौ वर्षों में 3.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। पराली का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में कर किसानों की आय बढ़ाने और प्रदूषण कम करने की दिशा में भी सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, फिल्म सिटी, अपैरल पार्क, विश्वविद्यालय, लॉजिस्टिक हब और अन्य औद्योगिक परियोजनाओं के कारण यह क्षेत्र निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि सेल सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का यह निवेश जेवर को सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र बनाएगा और प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के संकल्प को नई गति देगा। मुख्यमंत्री ने कंपनी के चेयरमैन जसबीर सिंह, एमडी सुखबीर सिंह तथा उनकी पूरी टीम का उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक निवेशक को सुरक्षा, सम्मान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 36 सेक्टोरल नीतियां, 75 हजार एकड़ से अधिक का लैंड बैंक, बेहतर एक्सप्रेसवे नेटवर्क, मजबूत रेलवे व्यवस्था और उत्कृष्ट सड़क संपर्क निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहे हैं।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, सेल सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीएमडी जसबीर सिंह, एमडी सुखबीर सिंह, सीओ लक्षित बावला, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शासन, प्रशासन, प्राधिकरण तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां पूरी, स्वास्थ्यकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन को लेकर शनिवार को कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्यकर्मियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सोनू कश्यप ने की। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए निर्देश दिए कि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। डॉ. सोनू कश्यप ने बताया कि 28 जून से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान शुरू हो रहा है। अभियान के पहले दिन रविवार को सभी निर्धारित पोलियो केंद्रों पर पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों की पहचान करेंगी, जो किसी कारणवश केंद्रों तक नहीं पहुंच पाए। उन बच्चों को उनके घर पर ही पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। बैठक में अभियान की कार्ययोजना, घर-घर सर्वेक्षण, दवा वितरण, अभिलेख संधारण तथा जनजागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा अभिभावकों को पोलियो की खुराक के महत्व के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। बैठक में पारसमणि शर्मा, सविता, अलका, सुषमा, रचना, पारुल, पुनीत राठी, बिट्टू सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

दंड महोत्सव पर मालसा प्रसाद वितरण की महिमा बताई

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मित्र मंडल धार्मिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री राधा-माधव लीला महोत्सव में कथा व्यास गौर दास महाराज ने दंड महोत्सव की महिमा का वर्णन करते हुए इसे आत्मचिंतन, प्रायश्चित और प्रभु कृपा प्राप्त करने का विशेष अवसर बताया। उन्होंने कहा कि कलियुग में अवतरित श्री चैतन्य महाप्रभु और श्री नित्यानंद प्रभु ने दंड के स्थान पर प्रेम, भक्ति और हृदय परिवर्तन का मार्ग अपनाकर असंख्य लोगों का कल्याण किया। कथा के दौरान उन्होंने श्री रघुनाथ दास गोस्वामी के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि वे बंगाल के एक प्रभावशाली मंत्री थे, लेकिन श्री चैतन्य महाप्रभु के सत्संग से प्रभावित होकर उन्होंने वैभवपूर्ण जीवन का त्याग कर प्रभु भक्ति का मार्ग अपनाया। दीक्षा की इच्छा प्रकट करने पर श्री नित्यानंद प्रभु ने उन्हें सभी भक्तों को दही-चिड़वा (मालसा भोग) का प्रसाद कराने का आदेश दिया। आदेश का पालन करते हुए उन्होंने दही, दूध, चिड़वा और विभिन्न फलों से मालसा भोग तैयार कर पहले भगवान को अर्पित किया और बाद में श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया। गौर दास महाराज ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया के दिन भगवान को मालसा भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण करने की परंपरा है। इस दिन श्रद्धा के साथ भजन-कीर्तन, सेवा और प्रसाद वितरण करने से सेवा, नाम और धाम संबंधी अपराधों का क्षय होता है तथा भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कार्यक्रम में विकास तेवतिया, सचिन गुप्ता, सुरभि गुप्ता, पंकज गर्ग, सुनील सिंघल, अमरीश गोयल, संजय सिंघल, देवेंद्र अग्रवाल, जितेंद्र गोयल, गदाधर दास, जतिन दास, शिवमोहन गोयल, कुलदीप गर्ग और राजेश सिंघल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एनसीसी कैंप में कैडेट्स ने सीखा शस्त्र संचालन, फायरिंग का किया अभ्यास

शामली (शिखर समाचार)। शहर के देशभक्त इंटर कॉलेज में आयोजित 85 यूपी बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन कैडेट्स को शस्त्र संचालन और फायरिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान फायरिंग रेंज पर कैडेट्स ने प्रशिक्षकों के निर्देशन में निशानेबाजी का अभ्यास किया तथा हथियारों के सुरक्षित उपयोग और अनुशासन संबंधी आवश्यक जानकारियां प्राप्त कीं। शस्त्र प्रशिक्षण का संचालन लेफ्टिनेंट आशीष कुमार एवं हवलदार मीन बहादुर थापा के नेतृत्व में कराया गया। प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को हथियारों के सुरक्षित संचालन, फायरिंग की तकनीक तथा सैन्य अनुशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल सी.पी. भदौला ने कैडेट्स को सैन्य अध्ययन विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए भारतीय सेना के तीनों अंग थल सेना, नौसेना और वायु सेना की भूमिका, कार्यप्रणाली एवं देश की सुरक्षा में उनके योगदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर चीफ ऑफिसर नीरज कुमार ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कैडेट्स से

अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने पर जोर दिया। हवलदार अनूप राणा ने व्यक्तित्व विकास पर प्रशिक्षण देते हुए आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद और टीम भावना के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं हवलदार ओमप्रकाश और सूबेदार मोर मुकुट ने ड्रिल सत्र के दौरान कैडेट्स को ओपन लाइन, क्लोज लाइन तथा लाइन ब्रेक जैसी विभिन्न ड्रिल गतिविधियों का अभ्यास कराया। शिविर के सफल संचालन में सभी एनसीसी अधिकारियों तथा पीआई स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। पूरे दिन कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लेकर सैन्य जीवन की बारीकियों को समझा।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में उत्साहपूर्वक मनाया गया विश्व हिंदू साम्राज्य दिवस

शामली (शिखर समाचार)। शहर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विश्व हिंदू साम्राज्य दिवस श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं और शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आचार्या गीता कांबोज ने अपने संबोधन में छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम, दूरदर्शी नेतृत्व और कुशल प्रशासन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने विपरीत परिस्थितियों में भी स्वराज्य की स्थापना कर राष्ट्रभक्ति, साहस और आत्मसम्मान का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे शिवाजी महाराज के राष्ट्रप्रेम, अदम्य साहस, अनुशासन और उच्च नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू साम्राज्य दिवस केवल एक ऐतिहासिक अवसर नहीं, बल्कि स्वराज्य, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो समाज को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने कार्यक्रम की

सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के आदर्शों से नई पीढ़ी को परिचित कराना समय की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना के माहौल से सराबोर रहा। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता कर छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

थाना सिहानी गेट पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना सिहानी गेट पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे एक अभियुक्त दीपक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराधियों और गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि सिहानी गेट की टीम को सूचना मिली थी कि गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त दीपक एक स्थान पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने स्थानीय इनपुट के साथ कार्रवाई करते हुए गौतमबुद्ध नगर जनपद के ग्रेटर नोएडा स्थित वीपी क्रिकेट ग्राउंड के पास खेतों में बनी झुग्गी-झोपड़ी पर दबिश दी और अभियुक्त को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध थाना सिहानी गेट और थाना नंदग्राम पर मुकदमा दर्ज है। वह वर्तमान में थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र के संजय नगर इलाके में रह रहा था, जबकि उसका स्थायी पता जनपद बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र का है। मुकदमों के तहत उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी।

कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई के विरोध में संचालकों का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुई आगजनी की घटना के बाद मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र में कोचिंग सेंटरों एवं लाइब्रेरी के विरुद्ध चल रही प्रशासनिक कार्रवाई का शनिवार को संचालकों ने विरोध किया। बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी संचालक तहसील मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शन कर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संचालकों का कहना था कि यदि बिना पर्याप्त कारण सभी कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी बंद कर दी जाएंगी तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हजारों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी। उनका आरोप था कि प्रशासनिक कार्रवाई के चलते छात्रों और संचालकों में अनावश्यक भय का माहौल बन गया है। गौरतलब है कि अब तक की कार्रवाई में क्षेत्र के दो कोचिंग सेंटर सील किए जा चुके हैं, जबकि मानक पूरे न होने पर दर्जनों कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इससे शिक्षण संस्थानों के संचालकों में चिंता व्याप्त है। प्रदर्शन के दौरान संचालकों ने उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह को ज्ञापन देकर नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा अनावश्यक उत्पीड़न से बचने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन संस्थानों में कमियां हैं, उन्हें सुधार का अवसर दिया जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो। उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने संचालकों को आश्वस्त किया कि प्रशासन केवल नियमानुसार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि मानकों के विपरीत किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी तथा विद्यार्थियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। साथ ही सभी संस्थानों से निर्धारित सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की।

भीम नगर में निर्माण कार्यों का शहर विधायक संजीव शर्मा ने किया शिलान्यास

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत शहर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार गति पकड़ रही हैं। सांसद अतुल गर्ग और शहर विधायक संजीव शर्मा जी के प्रस्ताव पर वर्ष 2026-27 में नगर निगम गाजियाबाद के वार्ड संख्या-1 भीम नगर में विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत इंद्रपाल के मकान से लोकेश के मकान तक तथा प्रदीप के मकान से चरण दास के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस विकास कार्य की अनुमानित लागत 18.97 लाख रुपये है तथा इसका क्रियान्वयन जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) गाजियाबाद द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में शहर विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उनका संकल्प है कि क्षेत्र की प्रत्येक सड़क, नाली एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाकर जनता को एक स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। जनता की सेवा और क्षेत्र का समग्र विकास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर विधानसभा को विकास के नए आयामों तक पहुंचाने के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में भी अनेक विकास कार्य धरातल पर दिखाई देंगे। इस अवसर पर क्रासिंग मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, पार्षद धर्मेंद्र नागर, चेयरमैन संदीप पाल, अनु चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

250 प्रशिक्षु सिपाहियों को परिवहन अधिकारियों ने दी परिवहन विभाग से संबंधित जानकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पीएसी कम्पाउंड में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 250 प्रशिक्षु सिपाहियों को परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रदान किया गया। व्याख्यान के दौरान प्रशिक्षुओं को परिवहन विभाग की संगठनात्मक संरचना एवं कार्यप्रणाली, मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं केंद्रीय मोटरयान नियमों के प्रमुख प्रावधान, वाहनों के पंजीकरण की प्रक्रिया, विभिन्न प्रकार के परमिट एवं उनकी आवश्यकता, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीकरण प्रमाण-पत्र से संबंधित नियम, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन संबंधी अभिलेखों के निलंबन एवं निरस्तीकरण की प्रक्रिया, प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रावधान, सड़क दुर्घटनाओं के उपरांत मोटर वाहन निरीक्षक द्वारा की जाने वाली तकनीकी जांच की प्रक्रिया एवं उसका महत्व, तथा सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस एवं परिवहन विभाग के मध्य समन्वित प्रवर्तन कार्यवाही की आवश्यकता, उद्देश्य एवं व्यावहारिक पहलुओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षुओं को वाहन चेकिंग के दौरान अपनाई जाने वाली

वैधानिक प्रक्रिया, ओवरलोडिग, बिना परमिट एव बिना फिटनेस सचालित वाहनों के विरुद्ध की जाने वाली प्रवर्तन कार्यवाही। सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम में पुलिस एव परिवहन विभाग की सयुक्त भूमिका, डिजिटल प्रवर्तन प्रणाली, ई-चालान व्यवस्था तथा प्रभावी प्रवर्तन के माध्यम से सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उपायों से भी अवगत कराया गया।

व्याख्यान के उपरांत प्रशिक्षु सिपाहियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमे उनके द्वारा पूछे गए विभिन्न व्यावहारिक एवं विधिक प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस संवाद के माध्यम से पुलिस एवं परिवहन विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुट्ट ढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रशिक्षु सिपाहियों ने व्याख्यान मे गहरी रुचि दिखाई तथा विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त की। इस प्रकार का प्रशिक्षण भविष्य में प्रभावी प्रवर्तन, विधिसम्मत कार्यवाही तथा सडक सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढाने में सहायक सिद्ध होगा। परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत व्याख्यान विनीत कुमार मिश्र, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विभाग गाजियाबाद, विवेक खरवार, मोटर वाहन निरीक्षक द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर आरआई लाइन्स सहित पुलिस विभाग के अन्य निरीक्षकगण भी उपस्थित रहे तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में अपना सहयोग प्रदान किया।

एमएसएमई दिवस पर नोएडा से मुख्यमंत्री ने किया यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 का ऐलान, 2,479 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में आयोजित भव्य कर्टन रेजर समारोह में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चौथे संस्करण की औपचारिक घोषणा की। इस दौरान उन्होंने लगभग 390 करोड़ रुपये की लागत से बने नोएडा प्राधिकरण के नए मुख्य प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया तथा नोएडा और दादरी विधानसभा क्षेत्रों की 2,479 करोड़ रुपये लागत वाली 70 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश ने उद्योग, निवेश और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जो

1.25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार दे रही हैं। सरकार ने तकनीक, डिजाइन, साझा सुविधा केंद्र और बाजार उपलब्ध कराकर एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत किया है, जिससे प्रदेश के उत्पाद वैश्विक बाजार तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने घोषणा की कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 का आयोजन 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में होगा। इसमें देश-विदेश के प्रदर्शक, खरीदार और निवेशक भाग लेंगे तथा व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए विभिन्न व्यावसायिक बैठकें आयोजित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने सीएम युवा उद्यमी योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त एवं गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने लोगों से स्थानीय उत्पाद खरीदने की अपील करते हुए कहा कि इससे कारीगरों, हस्तशिल्पियों और छोटे उद्यमियों को मजबूती मिलेगी तथा आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य साकार होगा।

उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर सेल, मेडिकल डिवाइस पार्क और फिल्म सिटी जैसी परियोजनाएं प्रदेश को वैश्विक

निवेश केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। बिल्डर-बायर विवाद के समाधान और बेहतर निवेश माहौल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध नगर आज देश के प्रमुख निवेश केंद्रों में शामिल हो चुका है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने एमएसएमई लाभार्थियों को टूलकिट और प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। किसानों को विकसित आबादी भूखंडों के आरक्षण पत्र तथा संविदा कर्मियों को पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा के चिकित्सा कार्ड भी प्रदान किए। उन्होंने "एक जनपद एक उत्पाद" और "एक जनपद एक व्यंजन" के स्टॉलों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने जा रही है : अखिलेश यादव

लखनऊ (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने जा रही है। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। हर तरफ लूट मची है। आम जनता को थाना, तहसील से लेकर हर जगह भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सेवाएं बर्बाद हो गयी है। अस्पतालों में समुचित दवा, इलाज नहीं मिल रहा है। इस सरकार में पीडीए का आरक्षण छीना गया। भाजपा को दस साल की सरकार का हिसाब देना होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि जनता प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने जा रही है। पीडीए की सरकार में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। उत्तर प्रदेश को खुशहाली के रास्ते पर ले जाने का कार्य होगा।

शनिवार को आजमगढ़ में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी निन्दनीय और चिंताजनक है। अयोध्या देश ही नहीं दुनिया भर के सनातनियों के लिए आस्था का स्थान है। धार्मिक नगरी के कारण अयोध्या से सनातनियों का भावनात्मक लगाव है। वहां जो चढ़ावा चोरी की घटना हुई वह बहुत निन्दनीय है। इस घटना से देश की जनता दु:खी है। चोरी की खबर आने के बाद सरकार को झुककर एसआईटी बनाना पड़ा। एसआईटी बनी लेकिन उसकी रिपोर्ट जिसे सौंपी गयी वह एक प्रश्नचिह्न है।

संपादकीय

भारत सेशेल्स साझेदारी: हिंद महासागर में भरोसे, संतुलन और भविष्य की नई दिशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स दौरा केवल एक औपचारिक विदेश यात्रा नहीं, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की दीर्घकालिक रणनीति, विश्वसनीय कूटनीति और साझेदारी आधारित विकास मॉडल का महत्वपूर्ण संकेत है। ऐसे समय में जब भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं, यह यात्रा दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊर्जा देने के साथ साथ पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करती है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल एक पड़ोसी शक्ति नहीं, बल्कि भरोसेमंद विकास साझेदार के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है। इस यात्रा के दौरान सेशेल्स के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं, समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण और विकास परियोजनाओं पर चर्चा दोनों देशों के भविष्य के संबंधों की दिशा तय करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी का सेशेल्स नेशनल बॉटनिकल गार्डन्स में पौधारोपण कार्यक्रम और दुनिया के सबसे उम्रदराज जीवित स्थलीय जीव 'जोनाथन' से मुलाकात भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। यह संदेश केवल पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि आधुनिक विकास और प्रकृति संरक्षण साथ साथ चल सकते हैं। आज जब जलवायु परिवर्तन छोटे द्वीपीय देशों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है, तब भारत का हरित विकास और सतत जीवनशैली का संदेश वैश्विक महत्व रखता है।

हिंद महासागर आज केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति का केंद्र बन चुका है। दुनिया के बड़े देशों की बढ़ती सक्रियता, समुद्री सुरक्षा से जुड़े खतरे, ऊर्जा आपूर्ति के मार्ग और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत की नीति टकराव नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और साझा सुरक्षा पर आधारित रही है। भारत ने वर्षों से सेशेल्स सहित हिंद महासागर के छोटे द्वीपीय देशों को रक्षा सहयोग, समुद्री निगरानी, तटरक्षक प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल विकास के क्षेत्रों में निरंतर सहयोग दिया है। यही कारण है कि इन देशों के साथ भारत के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि विश्वास और साझेदारी पर आधारित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता प्रमुख विषय बने हुए हैं। हिंद महासागर में सुरक्षित समुद्री मार्ग, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, समुद्री डकैती की रोकथाम तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में भारत और सेशेल्स का सहयोग आने वाले वर्षों में और मजबूत होने की संभावना है। यह सहयोग केवल दोनों देशों के हित में नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वह विकासशील देशों के साथ समानता और सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित करता है। भारत किसी भी देश पर अपनी शर्तें थोपने के बजाय उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप सहयोग प्रदान करने की नीति अपनाता है। यही कारण है कि अफ्रीका, हिंद महासागर और वैश्विक दक्षिण के देशों में भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। सेशेल्स के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, अक्षय ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में चल रही परियोजनाएं इस सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक व्यवस्था तेजी से बदल रही है। आर्थिक अनिश्चितता, क्षेत्रीय संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियां और जलवायु संकट जैसी परिस्थितियों में विश्व ऐसे साझेदारों की तलाश कर रहा है जो विश्वास, स्थिरता और साझा विकास का मॉडल प्रस्तुत कर सकें। भारत आज उसी भूमिका में स्वयं को स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

~ मौलिक चिंतन ~

यह देह परोपकार के लिए मिली है और देहदान इस सत्य की साक्षात पूर्ति है।

~~~~~~~~~~

© विनय संकोची

स्वछंद जीवन शैली से बहकते कदम से सिया सोनम और मुस्कान की श्रृंखला

मनोज कुमार अग्रवाल

किशोर अवस्था से यौवन की ओर कदम बढ़ाती लड़किया कई बार अभिभावकों की खुली छूट या माडर्न बिंदास जीवन शैली के भ्रम में गलत रास्ते पर चली जाती है और प्रेमियों पर भरोसा कर अंतरग पल बिता लेती है यही से इनके चालाक और रईसजादी बीबी पाने का मन बना चुके आशिक इनके अंतरंग पलो के फोटो और वीडियो कैप्चर कर स्टोर कर लेते हैं और जब जवानी के नशे में हुई गलतियों से बाहर निकल कर किसी केतन के साथ सगाई करती है तो इनके एक्स आशिक इनके फोटो वीडियो फलेश करने की धमकी दे कर बरगलाते है सामाजिक प्रतिष्ठा और घर परिवार की ईजजत नीलाम होने के भय से ऐसी लड़किया एक्स के ईशारे और सहयोग से मंगेतर को ही पहाड़ी से धकेल कर मारने का अक्षम्य अपराध कर जाती है। इस मामले की तह तक पड़ताल कर सारे षडयंत्र को बुनने वाले चेतन बाबूलाल का नारको टैस्ट होना चाहिए सिया गोयल एक बेबकूफ नादान मोहरा है दोनों को फास्ट कोर्ट में सुनवाई कर फांसी की सजा होनी चाहिए। अभिभावकों को अपनी सियाओ पर नकेल कस कर उनके अनुसार विवाह का निर्णय लेना चाहिए ताकि कोई राजा रघुवंशी या केतन विशाल अग्रवाल किसी नागिन के मंगेतर होने की कीमत जान से न चुकाए।

पुणे में घटित केतन विशाल अग्रवाल हत्याकांड ने एक बार फिर भारतीय समाज की उन परतों को उधेड़ दिया हैजिसे जान कर भी मानने से इंकार किया जा रहा हैं, क्योंकि हमें आदर्शवादी समाज का दिखावा बनाए रखना है। असीम संभावनाओं से भरे 26 साल के केतन अग्रवाल की हत्या उनकी मंगेतर सिया गोयल ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर कर दी। पुणे के पास लोहागढ़ के किले में ट्रेकिंग के बहाने सिया केतन को ले गई, उससे पहले अपने जन्मदिन का जश्न केतन के साथ मनाया और बाकायदा सोशल मीडिया पर उसे डाला भी। उन वीडियो को देखकर जरा सा अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि इस दौरान कितनी भयावह योजना उसके दिमाग में चल रही होगी। लोहागढ़ किले में जब केतन और सिया पहुंचे तो उनके साथ-साथ चेतन चौधरी भी पहुंचा, जिसके साथ मिलकर सिया ने केतन को ऊंचाई से धक्का दे दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फिर पोस्ट डाली कि जन्मदिन पर तुम मुझे छोड़ कर चले गए। पहले पहल इसे सामान्य दुर्घटना मानकर सिया के लिए ही सबकी सहानुभूति उमड़ी कि नवंबर में इनकी शादी होनी थी, जिसके लिए दोनों परिवार जमकर तैयारी कर रहे थे। जयपुर में शाही अंदाज में शादी करवाने के लिए 17 करोड़ रूपयों में एक महल भी बुक करवा लिया गया था, लेकिन उससे पहले इतना बुरा हादसा हो गया। पुलिस ने जब इस दुर्घटना की जांच शुरू की तो कुछ अजीबोगरीब संयोगों पर नजर गई, जैसे शादी से पहले की फोटोग्राफी करवाने के लिए यह जोड़ा बाली जाने वाला था, और एक दिन पहले केतन का पासपोर्ट अचानक गुम हो गया। 14 जून को भी सिया और केतन लोहागढ़ ट्रेक पर गए थे, जहां केतन को सिया ने धक्का दिया था और उसने झाड़ी पकड़कर खुद को बचाया था, तब सिया ने कहा था कि उसने सांप देखा और केतन की जान बचाने के लिए घबराहट में उसे धक्का दिया। लेकिन 18 जून को जब यह जोड़ा फिर से लोहागढ़ ट्रेक पहुंचा तो इस बार उनके करीब ही एक युवक सर्दियों में पहने जाने वाली हुडी को पहना हुआ था और उसका चेहरा छिपा था, जबकि पुणे में अभी गर्मी ही है। पुलिस ने जब इन सारे तथ्यों की गहराई से पड़ताल की तो यह समझने में वक्त नहीं लगा कि यह सामान्य हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या थी।

अब सिया पुलिस की गिरफ्त में है, केतन के घरवाले स्वाभाविक तौर पर उसके लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। उनका एक ही सवाल है कि अगर किसी और से प्यार था और केतन से शादी नहीं करनी थी, तो पहले ही अपने घरवालों को मना कर देना था, इसके लिए हमारे बेटे को मारने की क्या जरूरत थी। ठीक ऐसा ही सवाल पिछले साल मेघालय में क्रूरता से मारे गए राजा रघुवंशी के घर वाले भी पूछ रहे थे। जब राजा से शादी करने के चंद दिनों बाद सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उनकी हत्या कर दी थी। असल में इन्हें प्रेमी या प्रेमिका कहना प्रेम जैसे पवित्र भाव का अपमान करने जैसा है, ये अपराध में भागीदार होते हैं, इससे ज्यादा इन्हें और कुछ नहीं कहा जा सकता। ये वासना के सने कीड़े है।

बहरहाल, इंदौर से लेकर पुणे तक अपने जीवनसाथी को मारने की घटनाएं समाज में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति को तो दिखाती ही हैं, साथ ही यह संकेत भी देती हैं कि एक परंपरागत लीक पर समाज को चलाने की कोशिश कई बार कितने भयावह परिणाम लाती है। न जाने क्यों भारतीय समाज में अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने या किसी से प्यार करने के बाद शादी करने को अभी भी समाज घटिया या हिकारत से देखता है। आज के दौर में भी बहुत से अभिभावक यह कहने से हिचकते हैं कि उनकी बेटी या बेटे ने अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुना है। पितृसत्तात्मक समाज बेटे की पसंद को एक बार सहजता से स्वीकार कर भी ले, लेकिन अधिकतर घरों में बेटियां खुलकर जीवनसाथी के लिए अपनी मर्जी का इजहार कर ही नहीं पाती हैं। अगर करें तो उसे या तो पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव बताया जाता है, या फिर निर्लज्जता की श्रेणी में डाला जाता है। शायद इसी वजह से कई बार सही राह पर चलकर अपनी मर्जी बताने की जगह हत्या करने जैसा आपराधिक कदम उठाया जाता है, जिसकी कोई माफी नहीं दी जा सकती। जो इंसान किसी दूसरे की जान लेने जैसा अतिरेक भरा कदम उठा सकता है, वो इतनी हिम्मत क्यों नहीं जुटा पाता कि शादी के लिए अपनी मर्जी बताए या मां-बाप के दबाव को मानने से इंकार करे।

सिया गोयल और सोनम रघुवंशी दोनों को यदि सामाजिक दायरे में पर्याप्त परिवारिक नियंत्रण और मयार्दा में रहकर जीने का विचार दिया जाता तो वह किसी आशिक के जाल में फंस कर अपराध की ओर अग्रसर नही होती। या फिर उन्हें अपने पसंद के लड़कों से शादी करनी थी या मां-बाप की मर्जी से शादी नहीं करनी थी, तो वे पहले बता सकती थीं, इससे घर बर्बाद नहीं होते, न ही विवाह जैसी संस्था से भरोसा उठता। मगर इन्होंने गलत राह चुनी। हालांकि इनके कारण केवल लड़कियों पर सवाल उठाने से इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं मिलेगा। अभी बीते दिनों नोएडा से लेकर भोपाल कलकत्ता से लेकर देहरादून तक दहेज हत्याओं या ससुराल में मिली प्रताड़ना के कारण हुई मौतों के मामले सामने आए, जिनमें नवयुवतियों की जिंदगी बर्बाद हुई और उनके मां-बाप जिंदगी भर का दुख अब उठा रहे हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि विवाह से पहले स्वतंत्र स्वछंद जीवन जीने का मन बना चुकी लड़कियों को ससुराल की बंदिश और मयार्दा में रहकर जीना स्वीकार नहीं है जिस कारण वह कई बार आत्महत्या कर ससुराल वालों को दहेज हत्या व उत्पीड़न के अपराध में फंसा जातीं हैं।

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट आधारित वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगों ने भी अपनी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया है। इन अपराधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका तथाकथित म्यूल अकाउंट या फर्जी बैंक खातों की होती है, जिनका उपयोग अवैध रूप से प्राप्त धनराशि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसी समस्या से निपटने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भरूच साइबर क्राइम पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

भरूच में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराध केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं, जो बैंक खातों, मोबाइल सिम कार्डों और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्रों और गलत दस्तावेजों की सहायता से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धन को जमा करने और बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था।

साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सामान्य भाषा में इसे ऐसे बैंक खाते के रूप में समझा जा सकता है जिसका उपयोग अपराधी अपने अवैध लेन-देन को छिपाने के लिए करते हैं। कई बार अपराधी स्वयं खाते नहीं खोलते, बल्कि दूसरे लोगों को लालच देकर या उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर खाते खुलवा लेते हैं। इसके बाद ठगी से प्राप्त धन इन खातों में जमा किया जाता है और फिर कई चरणों में विभिन्न खातों में भेजकर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता है। इससे जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

भरूच में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि उन्होंने पहले से खरीदे गए मोबाइल सिम कार्डों को बैंक खातों से जोड़ रखा था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन खातों में जमा होती थी और फिर उसे विभिन्न माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का उद्देश्य अवैध धन के प्रवाह को वैध दिखाना और जांच एजेंसियों को भ्रमित करना था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए हैं, जो इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं। गुजरात पुलिस का ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साइबर अपराधों की जड़ों तक पहुंचने का प्रयास भी है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन नौकरी का झांसा, केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों ने आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इन अपराधों में प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल खातों का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जाता है। इसलिए इन खातों के नेटवर्क को तोड़ना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि साइबर अपराधों को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब अधिक सक्रिय और तकनीकी रूप से सक्षम हो रही हैं। डिजिटल अपराधों की जांच में अब डेटा विश्लेषण, साइबर फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इससे अपराधियों तक पहुंचने और उनके नेटवर्क का पदार्फाश करने में सहायता मिल रही है। हालांकि केवल पुलिस कार्रवाई से ही साइबर अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सकता। इसके लिए आम नागरिकों की जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। साइबर अपराधी अक्सर लोगों की लापरवाही, जानकारी की कमी और लालच का फायदा उठाते हैं। कई लोग थोड़े से आर्थिक लाभ के लिए अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग करने के लिए दे देते हैं। बाद में यही साधन साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने लगते हैं और संबंधित व्यक्ति भी कानूनी परेशानी में फंस सकता है। इसलिए पुलिस ने नागरिकों से विशेष रूप से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को न दें।

आज के समय में साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्कता सबसे बड़ा हथियार है। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा फोन, संदेश या ईमेल के माध्यम से मांगी गई व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। बैंक, सरकारी संस्थान या प्रतिष्ठित कंपनियां कभी भी फोन पर ओटीपी, पासवर्ड या बैंकिंग विवरण नहीं मांगतीं। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की जानकारी मांगता है तो उसे तुरंत संदिग्ध मानना चाहिए। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाले आकर्षक ठगी की गई राशि को आगे स्थानांतरित होने से रोका जा सके।

भरूच में हुई यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई नहीं कर रही हैं, बल्कि उन नेटवर्कों को भी निशाना बना रही हैं जो साइबर ठगी को संभव बनाते हैं। ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 जैसे अभियान डिजिटल अपराधों के खिलाफ एक मजबूत रणनीति का हिस्सा हैं और भविष्य में ऐसे अभियानों से साइबर अपराधियों के लिए काम करना और अधिक कठिन हो जाएगा।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में साइबर सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। जागरूकता, सतर्कता और तकनीकी समझ के माध्यम से ही साइबर अपराधों के खतरे को कम किया जा सकता है। भरूच की यह घटना हमें याद दिलाती है कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके खोज रहे हैं, इसलिए समाज को भी अपनी सुरक्षा के प्रति उतना ही सजग और जिम्मेदार होना होगा। तभी डिजिटल भारत का सपना सुरक्षित और मजबूत आधार पर आगे बढ़ सकेगा।

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

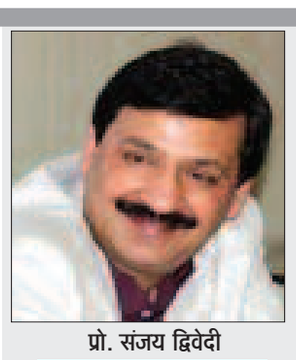

प्रो. संजय द्विवेदी

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है।

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

वैचारिक हीनग्रंथि से बाहर आई भाजपा-

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धमार्चार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी।

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

सेकुलर संक्रमण से मुक्ति से मिली नई पहचान-

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-'राम, रोटी और इंसाफ।'

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। अरसे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है।

भारतीयता का विमर्श अब केंद्रीय विमर्श-

आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।
~~~~~~~~~~

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

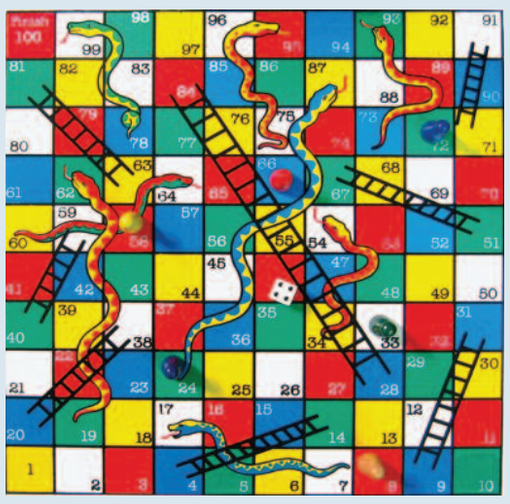

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है।
ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्ररर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

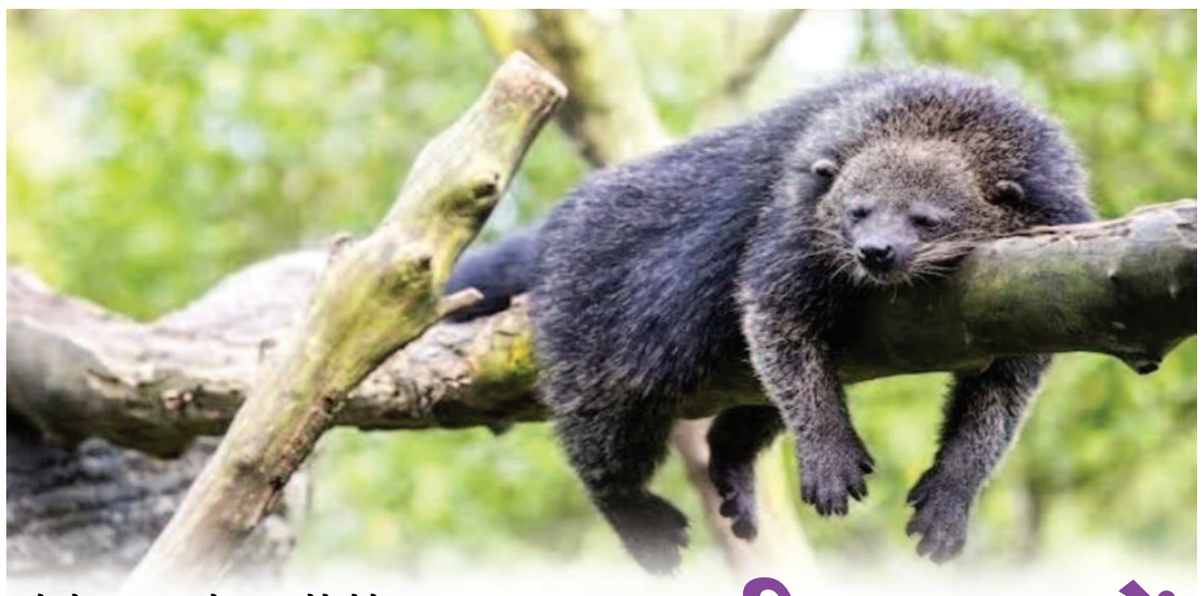

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

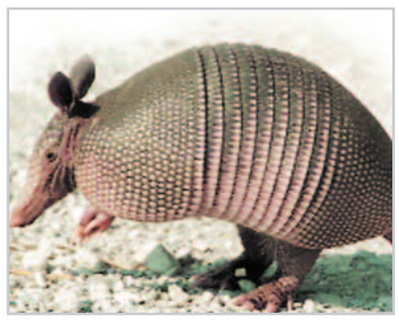

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर' फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

श्रीलंका में जाइडस लगाएगी 2 करोड़ डॉलर का दवा संयंत्र

जाइडस ने सनशाइन के साथ मिलाया हाथ, आयात पर घटेगी निर्भरता

नई दिल्ली ।

भारतीय दवा कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज ने श्रीलंका की सनशाइन हेल्थकेयर के साथ मिलकर 2 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश से एक दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य श्रीलंका की दवा आयात पर निर्भरता को कम करना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है। दोनों कंपनियों ने जाइडस सनशाइन लाइफसाइंसेज नामक संयुक्त उद्यम बनाया है, जो होराना के निवेश बोर्ड (बीओआई) क्षेत्र में लगभग चार एकड़ भूमि पर इस अत्याधुनिक इकाई को स्थापित करेगा। यह संयंत्र स्थानीय खुदरा बाजार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं का उत्पादन कर उनकी उपलब्धता बढ़ाएगा और देश की स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। यह पहल श्रीलंका की हालिया आर्थिक चुनौतियों के बाद स्थानीय विनिर्माण पर जोर देने की नीति के अनुरूप है, जिसने आयात पर निर्भर क्षेत्रों की कमजोरियों को उजागर किया था। इस संयुक्त उद्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन और देश की दवा विनिर्माण क्षमताओं के विकास में भी सहायता मिलेगी। इसे जाइडस की विनिर्माण विशेषज्ञता और सनशाइन के मजबूत घरेलू वितरण नेटवर्क का लाभ प्राप्त होगा।

सरकारी गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान, लक्ष्य से आगे निकला देश

केंद्र ने निर्धारित 355.4 लाख टन का लक्ष्य पार किया

नई दिल्ली ।

इस वर्ष देश में सरकारी गेहूं खरीद ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केंद्र सरकार ने निर्धारित 355.4 लाख टन के लक्ष्य को पार करते हुए 21 जून तक कुल 357.6 लाख टन गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल की समान अवधि की 299.5 लाख टन खरीद से लगभग 19 फीसदी अधिक है, जो किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक है। यह अभूतपूर्व सफलता मुख्य रूप से गेहूं उत्पादन में वृद्धि और सरकार की व्यापक खरीद व्यवस्था के कारण संभव हुई है। प्रारंभिक 303 लाख टन के खरीद लक्ष्य को, बेहतर उत्पादन और राज्यों की मांग पर, चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 355.4 लाख टन तक किया गया था। इस खरीद अभियान में कई राज्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंजाब (121.6 लाख टन) और मध्य प्रदेश (104.4 लाख टन) का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा। राजस्थान में रिकॉर्ड 27.1 लाख टन गेहूं खरीदा गया, जबकि उत्तर प्रदेश में 21.6 लाख टन और बिहार में 40,364 टन की खरीद हुई, जो दोनों ही राज्यों में पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

वाणिज्यिक वाहन उद्योग की रफ्तार बरकरार

ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रहा मजबूत सहारा

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने मई महीने में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी, जहाँ थोक बिक्री में साल-दर-साल 13.5 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। जीएसटी दरों में कटौती और ग्रामीण क्षेत्रों से बढ़ती मांग ने इस बढ़त में अहम भूमिका निभाई। हालाँकि, मासिक आधार पर बिक्री में हल्की कमी भी देखी गई, जो मजबूत सुधार के बाद मांग के सामान्यीकरण का संकेत देती है। आईसीए के अनुसार, वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 5.3 फीसदी बढ़ी। खास बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक तेज़ रही, जो छोटे शहरों और गांवों में बेहतर माल ढुलाई का संकेत है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों ने सर्वाधिक 7.7 फीसदी की खुदरा वृद्धि दर्ज की, जिसे जीएसटी राहत और अंतिम-मील वितरण की बढ़ती मांग से बल मिला। वित्त वर्ष 2027 के पहले दो महीनों में थोक बिक्री कुल 15 फीसदी बढ़ी है, जो उद्योग की सकारात्मक गति को दर्शाता है।

कोयले से गैस बनाने 37,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना शुरू

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू कोयले से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना शुरू कर दी है। हाल ही में जारी अधिसूचना के साथ, इसका लक्ष्य देश में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को गति देना है।

योजना में प्रतिस्पर्धी बोली व्यवस्था होगी, जिसमें कम वित्तीय प्रोत्साहन मांगने वालों को उच्च मूल्यांकन अंक मिलेंगे। पात्र संयंत्रों और मशीनरी की लागत का 20 फीसदी तक वित्तीय सहायता का प्रावधान है। लाभ के केंद्रीकरण को रोकने के लिए, मंत्रालय ने सुरक्षा उपाय भी किए हैं; किसी भी परियोजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए, किसी कॉर्पोरेट समूह के लिए 12,000 करोड़ रुपए और अधिकांश डाउनस्ट्रीम उत्पादों (यूरिया/एसएनजी को छोड़कर) के लिए 9,000 करोड़ रुपए की अधिकतम सहायता सीमा तय की गई है। इसका उद्देश्य घरेलू कोयले से सिनगैस, मेथनॉल, अमोनिया और एसएनजी जैसे उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना है। यह योजना लगभग 7.5 करोड़ टन कोयले से गैस बनाने की क्षमता वाली परियोजनाओं को समर्थन देगी, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य में मदद मिलेगी।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रे तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम निवेशकों में लौटी खुशी

धीमी मॉनसून चाल ने बढ़ाई फिक्र, मंगलवार को बाजार में हुई बड़ी बिकवाली

मुंबई ।

पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मॉनसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं। सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंततः सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया। सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला।

गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मॉनसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

सितंबर से संभालेंगे कमान, देश में एआई के विस्तार और रणनीतिक साझेदारियों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे।

सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया।

आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है।

फॉक्सकॉन का भारतीय इकाई में बड़ा निवेश, 99.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

72 करोड़ डॉलर में हुई शेयर खरीद, कंपनी भारत में उत्पादन व रणनीतिक विस्तार पर केंद्रित

नई दिल्ली।

ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉनने अपनी भारतीय सहायक कंपनी, फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नॉलजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 99.9 फीसदी कर दी है। समूह की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने 3.72 करोड़ डॉलर में लगभग 35.173 करोड़ शेयर खरीदे हैं, जिससे भारतीय इकाई में उसकी कुल हिस्सेदारी 2.82 अरब डॉलर मूल्य के 23.18 अरब शेयर हो गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह कदम ऐसे समय आया है जब फॉक्सकॉन अपनी 3+3+3 रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और रोबोटिक जैसे उभरते उद्योगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। आईफोन बनाने वाली यह सबसे बड़ी कंपनी भारत में अपने उत्पादन को लगातार बढ़ा रही है। चेन्नई के श्रीपेरुंबुदूर में इसका सबसे बड़ा विनिर्माण आधार है, जहां ऐपल आईफोन की असेंबलिंग की जाती है। इस निवेश से तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर और निवेश की उम्मीद है।

वैश्विक शांति वार्ता से तेल बाजार को राहत, भारत में ईंधन हो सकता है सस्ता

घरेलू बाजार में दाम स्थिर, पिछले महीने हुई थी भारी बढ़ोतरी

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को राहत दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इस वैश्विक बदलाव से भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की उम्मीद जगी है। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने 27 जून को जारी अपने नवीनतम दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार घटती कीमतों ने घरेलू उपभोक्ताओं में राहत की आस जगाई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो सकते हैं। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों के कारण यह स्थिरता कब तक बनी रहेगी, इस पर सबकी निगाहें हैं। आज 27 जून 2026 को जारी नए रेट्स के अनुसार, तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आम जनता पर ईंधन के बढ़ते दामों का भारी बोझ पड़ा था। 25 मई को हुई आखिरी बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल करीब 7.50 रुपये और डीजल लगभग 7.60 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था, जो चार साल बाद दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि थी। इसी कड़ी में, सीएनजी और एलपीजी के दामों में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर मार्च से जून 2026 के बीच दो बार बढ़कर 942 रुपये का हो चुका है। अब देखना होगा कि वैश्विक नरमी का लाभ आम जनता को कब मिलता है।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सुरक्षित सरकार ने अफवाहों पर दी सफाई

निराधार दावों और पुरानी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल पर आपत्ति जताई

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे भ्रामक और निराधार दावों पर कड़ी आपत्ति जताई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से मान्य है और इन दावों का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना प्रतीत होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक आधार पर लागू किया गया है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्रालय ने बताया कि 2003 में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम, तकनीकी तैयारियों और हितधारकों के परामर्श से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 2023 से 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के कार्यान्वयन के बाद से, इंजन की खराबी या वाहन के टूटने की कोई व्यापक समस्या सामने नहीं आई है। मंत्रालय ने विशिष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि ईंधन टैंक में पानी का प्रवेश किसी भी ईंधन के लिए अवांछनीय है और आधुनिक वाहनों में इसे रोकने के लिए डिजाइन संबंधी सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो भ्रामक हैं, क्योंकि ईंधन में उपयोग होने वाला एथेनॉल औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा तैयार होता है और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चींटियों वाले वायरल वीडियो पर भी सफाई देते हुए कहा कि ईंधन-ग्रेड एथेनॉल में कोई चीनी नहीं होती और इसमें कीट-विकर्षक डिनेचुरेंट्स होते हैं, इसलिए चींटियों के आकर्षण का दावा वैज्ञानिक रूप से निराधार है। इसी प्रकार, वाहन बीमा की वैधता प्रभावित होने के दावों को भी निराधार पाया गया है।

एयर इंडिया जल्द बहाल कर सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

ईंधन महंगा होने पर लगा दी थी रोक

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी आने से एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को जल्द ही वापस ले सकती है। पिछले महीनों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और बढ़ती ईंधन लागत के कारण एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 फीसदी और घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की अस्थायी कटौती की थी, जिससे कई मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आई है, जिससे अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हुआ है और ईंधन की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि यदि यह सकारात्मक रुझान जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल की उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कटौतियों को वापस लेने में सक्षम होगी, जिससे कुछ शहरों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि तनाव के फिर से बढ़ने की कोई गारंटी नहीं है। इस बीच, एयर इंडिया इस साल अपने बेड़े में आठ नए या पुनर्निर्मित चौड़ी बॉडी वाले विमान शामिल करेगी, जिसमें जल्द ही आने वाला एक नया बोइंग 787-9 भी शामिल है।

विल्सन ने उम्मीद जताई कि ये विमान सेवाओं में सुधार करेंगे और नए रूट शुरू करने में सहायक होंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा और एयरलाइन की परिचालन क्षमता बढ़ेगी।

मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

लंदन ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया। वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया। मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी

जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

सीरीज बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा भारत, दूसरे टी20 में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के सामने अब सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती है। रविवार को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दूसरे और अंतिम मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले मैच में आयरलैंड ने 34 रन से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया था। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ उसकी पहली जीत रही। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व चैंपियन भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई और उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कई मायनों में खास था। लगभग 963 दिनों बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पहली बार इस प्रारूप में भारत की कप्तानी संभाली, लेकिन शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। अब उनकी कोशिश होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले टीम जीत के साथ आत्मविश्वास हासिल करे।

भारतीय बल्लेबाजी पहले मुकाबले में पूरी तरह बिखर गई। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। जैसे ही अभिषेक आउट हुए, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। संजू सैमसन केवल चार गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए, जबकि ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। बाद में तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी बढ़ते रनगति के दबाव में टीम को संभाल नहीं सके।

आयरलैंड के युवा तेज गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन के साथ गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे जय मूंद्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर संजू सैमसन का विकेट लेकर भारतीय खेमे को झटका दिया। वहीं मैट हॉलार्ड ने ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। दूसरे मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

हालांकि गेंदबाजी विभाग में भारत को कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले। चोट से वापसी कर रहे हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और प्रभावित किया। अर्शदीप सिंह तथा अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवर में 57 रन खर्च करना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। कृष्णा का 17वां ओवर, जिसमें 27 रन बने, मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पहले मुकाबले की ऐतिहासिक जीत के बाद आयरलैंड का मनोबल काफी ऊंचा है। दूसरी ओर भारतीय टीम न केवल श्रृंखला बराबर करना चाहेगी, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले अपनी तैयारियों को भी सही दिशा देना चाहेगी। ऐसे में बेलफास्ट का दूसरा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐसा है भारत और आयरलैंड का स्क्वॉड

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

आयरलैंड: लोर्कान टकर (कप्तान और विकेटकीपर), रॉस एडेयर, बेन कैलिट्ज़, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हंपहरेज, गेविन होई, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

-3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

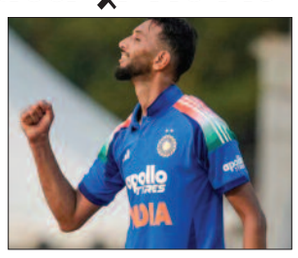

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं।

बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

-हार से सबक लेकर वापसी को तैयार टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अब इस अनुभव से सबक लेकर अगले मुकाबले में पूरी तैयारी और नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की गलती दोबारा नहीं करेगी। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

डेम्बेले की तूफानी हैट्रिक से फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

-ग्रुप में शीर्ष स्थान के साथ बढ़ाया जीत का सिलसिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फॉक्सबोरो में खेले गए फीफा विश्व कप के ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले रहे, जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाकर मैच का रुख पूरी तरह फ्रांस के पक्ष में मोड़ दिया। उनकी दमदार पारी की बदौलत फ्रांस ने ग्रुप चरण का समापन शीर्ष स्थान पर किया और नॉकआउट दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। डेम्बेले ने मुकाबले के सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल में कप्तान काइलियन एमबाप्पे ने बेहतरीन पास देकर अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के इतिहास में पिछले 32 वर्षों के दौरान पहली बार किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 1994 विश्व कप में रूस के ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में तीन गोल किए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ डेम्बेले गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूती से शामिल हो गए हैं, जहां उनका मुकाबला लियोनेल मेसी और टीम के साथी काइलियन एमबाप्पे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से है। मैच के बाद डेम्बेले ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण टीम की जीत और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा कि अब पूरी टीम का ध्यान अगले मुकाबले पर है और उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में जीत का सिलसिला बनाए रखना है।

फ्रांस और नॉर्वे दोनों पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे, लेकिन इस मुकाबले से ग्रुप विजेता का फैसला होना था। फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और नॉर्वे को संभलने का मौका नहीं दिया। डेम्बेले के दूसरे गोल के तुरंत बाद थैलो आसगार्ड ने केवल 14 सेकंड के भीतर गोल कर नॉर्वे की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन डेम्बेले ने कुछ ही मिनट बाद अपना तीसरा गोल कर फ्रांस की दो गोल की बढ़त फिर से बहाल कर दी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में डेसिरे डोउ ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की जीत को और शानदार बना दिया। डेम्बेले ने 65वें मिनट तक मैदान पर रहते हुए चार गोल वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम और मजबूत किया। इसके बाद उनकी जगह ब्रैडली बारकोला को मैदान पर उतारा गया।

स्पेन की जीत से उरुग्वे का टूटा विश्व कप सपना, ग्रुप चरण से ही बाहर हुई दो बार की चैंपियन टीम

नई दिल्ली । विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मैक्सिको के गुआडालाजारा में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने अवसर का पूरा फायदा उठाया, जबकि दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के साथ दक्षिण अमेरिकी टीम का अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया। ग्रुप एच में स्पेन ने सात अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अब अगले दौर में उसका मुकाबला ग्रुप जे में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम, ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया, से होगा। दूसरी ओर उरुग्वे पूरे ग्रुप चरण में जीत का स्वाद नहीं चख सका और केवल दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अंक तालिका में पिछड़ने के कारण वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में भी जगह नहीं बना पाया और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे इस विश्व कप से बाहर होने वाली अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई। मुकाबले का एकमात्र गोल स्पेन के एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उन्होंने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शॉट लगाया, जिसे अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा रोकने में असफल रहे। यह ऐसा मौका था, जिसे सामान्य परिस्थितियों में बचाया जा सकता था। टूर्नामेंट के दौरान मुसलेरा की यह लगातार तीसरी बड़ी गलती रही। उनके निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने हाफ टाइम के बाद उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। ग्रुप एच से स्पेन के अलावा केप वर्दे ने भी अंतिम-16 में जगह बनाई। केप वर्दे ने सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित मुकाबला खेलते हुए लगातार तीसरा ड्रॉ दर्ज किया और तीन अंकों के साथ अगले दौर में पहुंच गया।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज : कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है। कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नॉर्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता साबित की है।

भारत / पाकिस्तान: भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल, FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया आखिरी गोल, भारत ने 7-1 से दर्ज की धमाकेदार जीत

मैच के अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा कायम रहा। 53वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने शानदार फिनिश करते हुए भारत का सातवां गोल दागा। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 7-1 की बड़ी जीत दर्ज कर पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

पाकिस्तान पर भारत का लगातार दबदबा कायम

भारतीय हॉकी टीम पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी रही है। साल 2016 के बाद से भारत सीनियर और जूनियर स्तर पर पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारा है। हाल ही में जापान में खेले गए अंडर-18 एशिया कप में भी भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा था। अब एफआईएच प्रो लीग में भी टीम इंडिया ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी।

हार के बीच भी अभिषेक शर्मा ने रचा विश्व रिकॉर्ड : टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया, जो अब तक टी20 क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी नहीं बना सका था। बेलफास्ट में खेली गई उनकी तूफानी पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया और फुल मेंबर देशों की ओर से खेलते हुए टी20 क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में पांच बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने इस उपलब्धि के साथ कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले युवराज सिंह, डेविड वॉर्नर, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, दासुन शनाका और फिन एलन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में केवल तीन-तीन बार ही 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का कारनामा कर पाए थे। अभिषेक ने पांचवीं बार यह उपलब्धि हासिल कर इस सूची में सबसे ऊपर अपना नाम दर्ज करा लिया।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों पर बेखौफ होकर प्रहार किए और केवल 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पारी के आठवें ओवर में दीप मिडविकेट की दिशा में शानदार पुल शॉट लगाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में मौजूद खिलाड़ियों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस पारी के साथ अभिषेक आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इस सूची में शीर्ष स्थान स्टीफन मायबर्ग के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने 2023 में 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब अभिषेक शर्मा 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि शानदार शुरुआत के बावजूद अभिषेक अपनी पारी को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्धशतक पूरा करने के तीन गेंद बाद ही वह 20 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी में सात चौके और दो लंबे छक्के शामिल रहे। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियाम मैक्कार्थी ने उन्हें डीप मिडविकेट पर कैच कराकर अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज अभिषेक का साथ नहीं दे सके और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। परिणामस्वरूप 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई और आयरलैंड ने पहली बार भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। हालांकि टीम को हार मिली, लेकिन अभिषेक शर्मा की रिकॉर्डतोड़ पारी भारतीय क्रिकेट के लिए इस मुकाबले की सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धि बनकर उभरी।

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन । विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नॉटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नॉकआउट चरण भी शामिल है।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर अश्विन की दोटूक राय, बोले- हाइप नहीं, प्रदर्शन के दम पर मिले टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किए जाने पर लगातार बहस जारी है। क्रिकेट प्रशंसकों और कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस फैसले पर अलग-अलग राय दी है। इसी बीच भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस पूरे मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीम प्रबंधन ने परिस्थितियों के अनुसार सही फैसला लिया है और किसी खिलाड़ी को केवल लोकप्रियता या चर्चा के आधार पर टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। अपने यूट्यूब कार्यक्रम में अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम किसी एक खिलाड़ी को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, बल्कि टीम के संतुलन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि टीम में सुपरस्टार संस्कृति के बजाय टीम फर्स्ट का सिद्धांत अपनाया जाएगा।

अश्विन का मानना है कि मौजूदा समय में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने हाल के समय में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में केवल वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए किसी खिलाड़ी को बाहर करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में स्थान हमेशा योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर मिलना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर बने माहौल या किसी खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बनी चर्चा के कारण। पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में रहना, वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ समय बिताना और टीम के माहौल को समझना भी सीखने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। उनके अनुसार बाहर बैठकर मैच देखना, टीम की सहायता करना और अनुभव हासिल करना किसी भी युवा क्रिकेटर के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है।

अश्विन ने माना कि वैभव सूर्यवंशी में असाधारण प्रतिभा है और भविष्य में वह भारतीय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल टीम में ओपनिंग स्लॉट खाली नहीं है। उनके अनुसार वैभव को मौका तभी मिलेगा जब किसी मौजूदा सलामी बल्लेबाज का प्रदर्शन लगातार खराब हो या कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए। उन्होंने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय पदार्पण केवल इसलिए नहीं कराया जा सकता कि लोग उसे खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने अंत में विश्वास जताया कि वैभव सूर्यवंशी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। यदि वह लगातार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से दावेदारी मजबूत करते रहेंगे तो भारतीय टीम में उनकी जगह स्वतः बन जाएगी। फिलहाल उनके लिए धैर्य बनाए रखना और सीखते हुए सही अवसर का इंतजार करना ही सबसे बेहतर रास्ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3931

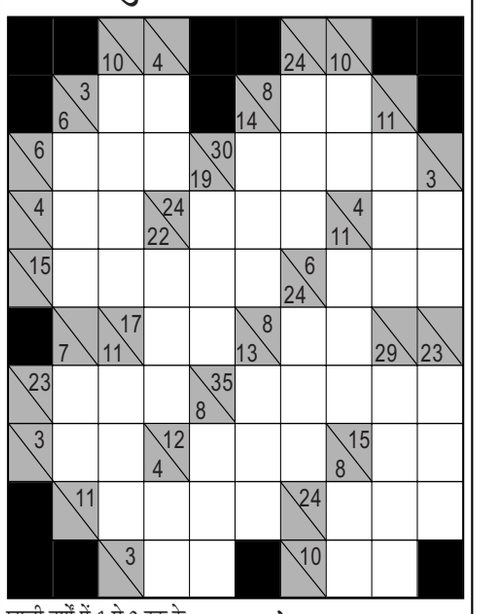

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

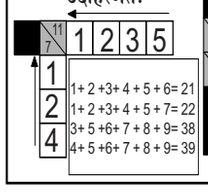

काकुरो - 3930 का हल

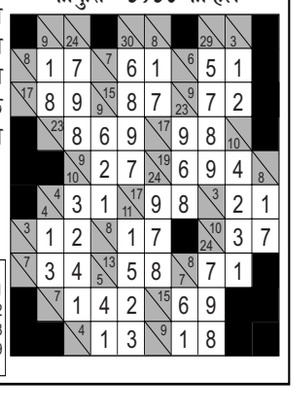

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.'यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3931

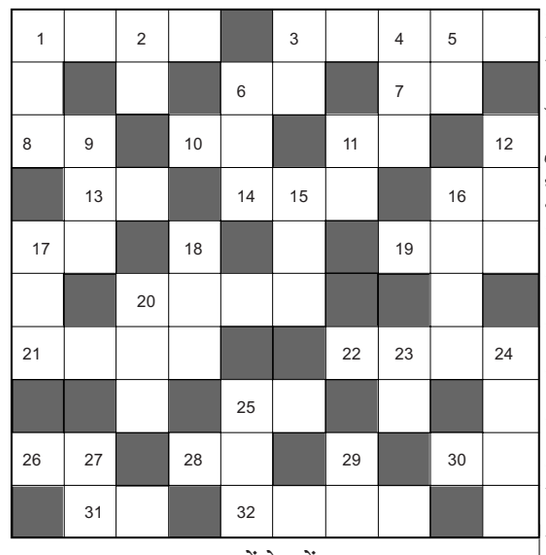

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3930

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झी	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़
	त	ला	श		ई		रि	हा	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना			य	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु -3931

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1			
6					4			
		8	9	6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3930 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3931

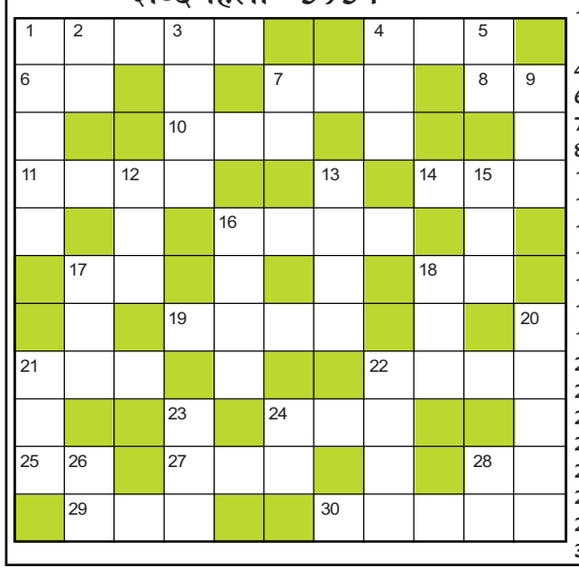

बाएँ से दाएँ

1. पदमाकर,कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान,मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम,सज्जन-2
10. पति,शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस,पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा,इच्छा-2
18. संध्या,शाम-2
19. निराकार,भगवान-4
21. बुझाना,शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1. कथा कहने वाला-5
2. चित,जी-2
3. कार्यशाला,यंत्रालय-4
4. माहिर,दक्ष-3
5. आकाश,गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान,अंदाज-3
13. झगड़ा,कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर,मूल्य-2
26. भूमि,धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3930 का हल

	बे	मि	सा	ल		प	ह	चा	न		
बे		ल		ह	न	र		क		स	
ई	मा	न		लु		ब		र	स	म	
मा				हा	ज	रि				क	
न	क	ब	ज	न		श	य	न	क	क्ष	
	म		र			की		हा			
अ	ल	सु	ब	ह		का	न	भ	र	ना	
प				म	लि	न				स	
रा	श	न		व		ख		स	ला	म	
ध		हा		त	रा	जू		रे		झ	
	स	ना	त	न		रा	ज	पा	ट		

जांघ मजबूत करने के लिए उपयोगी हैं ये आसन

अगर हम किसी फुटबॉल खिलाड़ी या किसी भी खिलाड़ी को देखते हैं, तो उसकी हृष्ट-पुष्ट जांघ उसके शरीर की मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। यह सच है कि मजबूत जांघ, मजबूत और स्वस्थ शरीर का प्रतीक होती है। हम भी योगासनों से जांघों को हृष्ट-पुष्ट बना सकते हैं, किंतु यह प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में होना चाहिए। आइए जानते हैं पांच योगासनों के बारे में जो जांघ मजबूत करते हैं-

एक बहुत आसान पोज, जो आपकी कमर को राहत देकर आपके कूल्हों और पैरों को वर्कआउट के लिए वार्मअप करता है। इसे ऐसे करें-

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं।
- प्रत्येक पैर को जांघ के बाहर की ओर से पकड़ें।
- पैरों को बीच में पकड़ें, जहां आर्क है, ज्यादातर लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।
- अपने चेहरे की मांसपेशियों को ढीला छोड़ें और लंबी सांस लेकर इस पोज में एक मिनट तक रहें।

सुप्त बद्ध कोणासन

यह कूल्हों को गतिशील करने के लिए अच्छा पोज है। इस पोज से भी जांघ की अंदरुनी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। एक सावधानी बरतें कि लंबी सांस पर ध्यान केंद्रित करें और आप पाएंगे कि आप पैर ज्यादा खोल पाते हैं और ज्यादा देर तक उस पोज में भी रह सकते हैं।

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। अपनी बांहों को बगल में शरीर से 45 डिग्री के कोण पर रखें।
- पैरों को घुटने के पास मोड़ें और पैर के तलुओं को नमस्ते के अंदाज में जोड़ने की कोशिश करें।
- अपनी एड़ियों को ग्रोइन के ज्यादा से ज्यादा पास लाने की कोशिश करें, इस दौरान चेहरे या शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए।
- ध्यान रखें आपका सिर सीधा होना चाहिए। आंखों को बंद रखें, यह आपको सुस्ताने में मदद करेगा।
- इस पोज में एक मिनट तक रहें और लंबी गहरी सांसें लेना न भूलें।

उपविष्ट कोणासन

बैठने वाली पोजिशन पैर की कुछ मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह खड़े होकर की जाने वाली पोजिशन के लिए भी अच्छी शुरुआत की तरह होती हैं, जिसमें मजबूती, लचीलेपन और संतुलन की दरकार होती है।

- चटाई पर बैठकर पैरों को तीन से चार फीट चौड़ाई तक फैला लें।
- अब अपने हाथों को चटाई पर रखें। अपने हाथों से जितना हो सके आगे जाएं।
- अपने सिर, गर्दन को पीठ की सीध में रखें।
- इस पोज में लंबी सांस लें। आराम से धीरे-धीरे हर सांस के साथ जमीन की ओर झुकते रहें।
- इस पोज में जितनी देर आराम से रह सके रहें, लेकिन एक मिनट से ज्यादा नहीं।
- पोज से बाहर निकलने के लिए हाथों को धीरे-धीरे वापस लाएं।

परिघासन

- आपकी कमर को बेहतरीन खिंचाव देने के अलावा यह पोज जांघों और ग्रोइन की मांसपेशियों को खोलकर उनका लचीलापन बढ़ाती है।
- चटाई पर घुटनों के बल बैठिए। अपनी एड़ियों को साथ रखें। पैरों की अंगुलियां जमीन पर और पीठ सीधी।
- दाएं पैर को अपनी दाईं ओर जितना हो सके स्ट्रेच करें। घुटना छत की ओर होना चाहिए।
- दाएं पैर के तलुए को जमीन पर रखें।
- अब अपनी दोनों बांहों को सिर के ऊपर ऊठाएं और सीधा रखें।
- धड़ और दाईं बांह को लंबे किए हुए दाएं पैर की तरह झुकाएं।
- दाएं हाथ को दाएं पैर पर रखें। (संभव हो तो दाईं कलाई को दाईं एड़ी पर रखें)
- अपनी हथेली का मुंह छत की तरफ करें।
- अब अपनी बाईं बांह को सिर के ऊपर से दाईं ओर लाएं, जो लोग लंबी अवधि से योगा करते आ रहे हों, वह अपनी बांई हथेली को दाईं हथेली पर रखने की कोशिश कर सकते हैं। इस पोज में आपका बायां कान आपकी बाईं बांह के ऊपरी हिस्से को छूना चाहिए और दायां कान दाईं बांह के ऊपरी हिस्से को।
- इस पोज में कुछ सांसों तक बने रहिए। (तकरीबन 45 सेकंड तक) उसके बाद शुरुआती पोज में आ जाइए।
- आराम कीजिए और समूची प्रक्रिया को बाईं ओर से दोहराइए।

उत्थित त्रिकोणासन

- अंत में एक खड़े होकर किया जाने वाला आसन जो पैर की छोटी मांसपेशियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यह शरीर के संतुलन को भी सुधारता है।
- चटाई पर पैर चौड़े करके खड़े हो जाएं।
- दाएं पैर को दाई तरफ की दीवार की तरफ मोड़ें।
- संतुलन के लिए बाएं पैर को थोड़ा सा दाईं तरफ मोड़ें।
- बांहों को उठाएं। कंधे की ऊंचाई पर लाएं, जब तक कि वह जमीन के समानांतर न हो जाए।
- कमर से दाईं ओर झुकें और दाईं हथेली को पैर पर या जमीन पर (जो भी सुविधाजनक हो) रख दें।
- बाईं बांह को सिर के ऊपर उठाकर सिर को धीरे से बाएं हाथ की ओर मोड़ें।
- इस पोज में 30 से 45 सैकंड तक रहें।
- पैरों को वापस लाते हुए शुरुआती स्थिति में आ जाएं।
- अब इसे दूसरी ओर दोहराएं।
- हर बार सारे आसनों की समाप्ति के बाद पांच मिनट के लिए शवासन करना चाहिए। पीठ के बल लेट जाइए, आंखें बंद कीजिए, शरीर को ढीला छोड़ दें। सिर सीधा रखें। हर मांसपेशी से तनाव को मुक्त कर दें। पैर से लेकर बांह, कंधे, गर्दन और सिर तक। आंखों को बंद रखें। अब करवट लेकर उठकर बैठ जाएं। हथेलियों को रगड़कर गर्म करें। फिर उन्हें आंखों पर रख दें। हथेलियों को हटाए बगैर आंखों को धीरे-धीरे खोलें। हाथ नीचे करें और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

अपनी फिल्म को मिले प्यार पर आभार जताया शरवरी वाघ ने

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हाल ही में अपनी नवीनतम फिल्म मैं वापस आऊंगा को दर्शकों से मिल रहे असाधारण प्यार और समर्थन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने एक भावुक नोट में इस बात पर जोर दिया कि हर कलाकार का यह सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो केवल सिनेमाघरों तक सीमित न रहे बल्कि दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़े। शरवरी का मानना है कि इस फिल्म ने उनके लिए इस सपने को साकार किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के प्रति दर्शकों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं, भावुक समीक्षाएं, सिनेमाघरों के दृश्य और साथ ही फिल्म के लोकप्रिय गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे। ये पोस्ट इस बात का प्रमाण थे कि फिल्म ने दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बना लिया है।

अपने पोस्ट के कैप्शन में शरवरी ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यारज मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। उनकी इन पंक्तियों से फिल्म के साथ उनके व्यक्तिगत जुड़ाव और दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से मिल रही संतुष्टि का पता चलता है। उन्होंने आगे कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने 'मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म में शरवरी के सह-कलाकार वेदांग रैना ने भी उनके पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। यह फिल्म इम्तियाज के निर्देशन में बनी है और एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे दिग्गज कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मैं वापस आऊंगा की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे मानवीय विषयों को संवेदनशील रूप से सामने लाती है। यह फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की मार्मिक कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण गहरे रूप से प्रभावित होता है। कहानी को नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाया गया है, जो इसे और भी भावुक बना देता है। यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को एक बार फिर साथ लाती है, जिसमें गीतकार इरशाद कामिल ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सामंथा ने की अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा

अभिनेत्री सामंथा प्रभु, जो इन दिनों अपनी फिल्म मां इंटी बंगारम की सफलता का आनंद ले रही हैं, ने अपने प्रशंसकों के साथ एक बड़ी खुशखबरी साझा की है। 39 वर्ष की उम्र में मां बनने जा रही सामंथा ने अपने पति राज निदिमोरू के साथ एक थैंक्स मीट में इस बात का खुलासा किया। पिछले कुछ समय से सामंथा की ऐसी वीडियोज़ वायरल हो रही थीं, जिनमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था, जिसके बाद उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है। खुशी का इजहार करते हुए सामंथा ने मंच पर हंसते हुए कहा,

अब मैं मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं। इस घोषणा के बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं और सोशल मीडिया पर भी फैंस का बधाई संदेशों से भर गया। वीडियो में उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफ दिखाई दे रहा है। सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को निर्माता राज निदिमोरू के साथ कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादे समारोह में शादी की थी। नागा चैतन्य से अलग होने के बाद यह उनकी दूसरी शादी थी। उनके इस ऐलान से उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं और इस नए सफर के लिए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

एग्स फ्रीज कराने पर आकांक्षा रंजन का खुलासा

माता-पिता को मनाने की जरूरत नहीं पड़ी

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन इन दिनों अपने एक अत्यंत निजी और महत्वपूर्ण फैसले, एग्स फ्रीज कराने को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में इस संवेदनशील विषय पर खुलकर बात की और बताया कि जब उन्होंने यह फैसला लिया, तब उनके माता-पिता की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी। आकांक्षा ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपने माता-पिता को इस फैसले के लिए मनाने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि वे उनकी समझदारी और निर्णयों पर पूरा भरोसा रखते हैं। आकांक्षा रंजन ने बताया, अब मैं ऐसी उम्र में हूं, जहां मेरे माता-पिता को मुझ पर पूरा भरोसा है। वह जानते हैं कि मैं कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लेती। पहले मैं हर बात को अच्छी तरह समझती हूं और फिर फैसला करती हूं। यही वजह है कि मेरे परिवार ने मेरे फैसले पर कभी सवाल नहीं किए, बल्कि हमेशा मेरा साथ दिया। यह विश्वास आकांक्षा के लिए एक बड़ी राहत और समर्थन का स्रोत रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके पिता को शुरुआत में इस पूरी प्रक्रिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वह ऐसे समय और माहौल में बड़े हुए हैं, जहां इस तरह के विषयों पर आमतौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी। इसलिए आकांक्षा को पहले उन्हें विस्तार से समझाना पड़ा कि एग्स फ्रीज कराना क्या होता है, इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है और यह प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उनकी बातों को बहुत ध्यान से सुना और समझने की पूरी कोशिश की। आकांक्षा ने बताया, मेरे पिता ने कभी मेरे फैसले का विरोध नहीं किया। उन्हें बस इस बारे में जानकारी चाहिए थी। जब मैंने उन्हें विस्तार से समझाया कि मैं ऐसा क्यों करना चाहती हूं और इसके पीछे क्या वजह है, तो उन्होंने मेरा समर्थन किया। हालांकि, उनकी मां की चिंता कुछ अलग थी। आकांक्षा ने कहा, मां को मेरी सेहत की चिंता थी, क्योंकि इस प्रक्रिया में मेडिकल इलाज और कुछ जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ऐसे में मां होने के नाते उन्हें अपनी बेटी की सेहत को लेकर स्वाभाविक रूप से फिक्र थी। लेकिन जब आकांक्षा ने उन्हें यह समझाया कि वह भविष्य को ध्यान में रखकर यह फैसला ले रही हैं, तो उनकी मां भी उनकी बात को समझ गईं और उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया। मां का यह भावनात्मक और व्यावहारिक समर्थन आकांक्षा के लिए बेहद खास और मूल्यवान रहा है।

आकांक्षा ने इस बात पर जोर दिया कि जब परिवार आपके साथ खड़ा हो, तो बड़े से बड़ा और व्यक्तिगत फैसला लेना भी बहुत आसान हो जाता है। उन्होंने अपने माता-पिता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कभी उन पर अपनी सोच नहीं थोपी, बल्कि हमेशा उनकी बात सुनी और उन पर भरोसा किया। इसी वजह से आकांक्षा को इस फैसले को लेकर किसी भी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और शांति के साथ आगे बढ़ने में मदद मिली।

असली पहचान आत्मविश्वास और मूल्यों से आती है : शिल्पा शिंदे

- धूम्रपान या पहनावे से नहीं

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में फेमिनिज्म और आधुनिकता की बदलती अवधारणाओं पर अपनी राय साझा की, जो इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों तक बहस का एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में शिल्पा ने कहा कि उनके लिए सच्ची पहचान बाहरी दिखावे, कपड़ों या जीवनशैली से कहीं अधिक गहरी है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास, मजबूत मूल्यों और खुद को गहराई से समझने की क्षमता से उपजी है। उनका मानना है कि कोई महिला क्या पहनती है या कैसे दिखती है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि वह अपने जीवन और अपने विचारों को कितनी

स्पष्टता और ईमानदारी से जीती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने स्वीकार किया कि उनकी सोच कुछ हद तक पारंपरिक है। उन्होंने बेबाकी से कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धूम्रपान या किसी विशेष जीवनशैली को आधुनिकता का पैमाना मानना गलत है। उनके अनुसार, कोई आदत किसी व्यक्ति के आधुनिक होने का प्रमाण नहीं हो सकती। शिल्पा ने बताया कि उनके लिए आधुनिकता का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत है। वह मानती हैं कि सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या तथाकथित आधुनिक कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस व्यक्ति के विचारों में मजबूती, अपने फैसलों को समझने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बाहरी दिखावा और व्यक्ति का असली व्यक्तित्व दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं। अभिनेत्री ने कपड़ों और सोच के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। एक महिला साड़ी पहनकर भी बेहद आधुनिक और प्रगतिशील सोच रख सकती है, जबकि कोई आधुनिक कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए, शिल्पा के अनुसार, किसी को उसके कपड़ों के आधार पर आंकना बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पसंद बताते हुए कहा कि उन्हें साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा आकर्षित करती हैं, लेकिन यह उनकी अपनी फैशन पसंद है, न कि किसी की सोच का पैमाना। अंत में, शिल्पा शिंदे ने इस बात पर जोर दिया कि एक महिला के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वह स्वयं को पहचाने, अपने मूल्यों को समझे और अपने जीवन को आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ जीए। उनके लिए, यही सच्ची मजबूती और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

रश्मिका मंदाना ने पेट डॉग ऑरा और कच्चे आम के साथ साझा किए खुशी के पल

लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ अपने प्यारे पालतू कुत्ते ऑरा के साथ बिताए कुछ आनंदमय और निजी पलों को साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑरा के साथ कई दिल छू लेने वाले वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। पोस्ट के पहले वीडियो में, रश्मिका को अपने चार पैरों वाले प्यारे दोस्त ऑरा पर जी भर कर प्यार बरसाते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो उनके गहरे बंधन और स्नेह को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑरा उनकी जिंदगी का कितना महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुष्पा और एनिमल जैसी सफल फिल्मों की इस अभिनेत्री ने इसके बाद अपनी कुछ खूबसूरत सेल्फी भी साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कच्चे आम के टुकड़ों की कुछ स्वादिष्ट तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनका उन्होंने उस दिन आनंद लिया था। इन निजी पलों को साझा करते हुए, रश्मिका ने दिखाया कि वह अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद छोटे-छोटे सुखों और अपने पालतू जानवर के साथ समय बिताने का कितना महत्व देती हैं।

एक और तस्वीर में, ऑरा को रश्मिका के बगल में शांति से बैठे हुए और प्यार भरी नज़रों से उन्हें देखते हुए देखा गया। यह दृश्य उनके

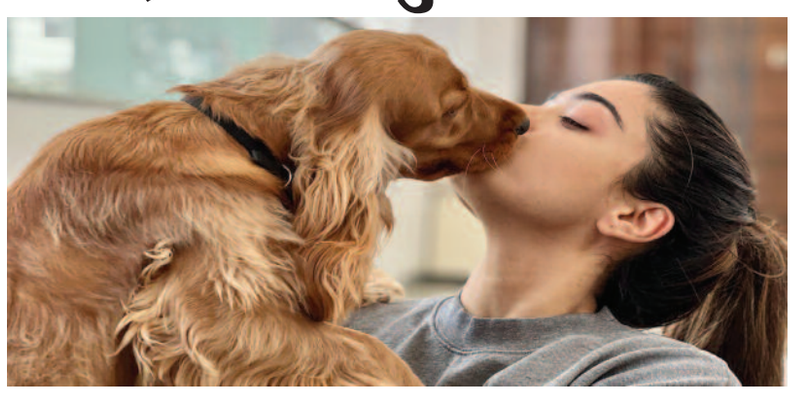

बीच के सौहार्दपूर्ण रिश्ते को दर्शाता है। पोस्ट के आखिरी वीडियो क्लिप में, द गर्लफ्रेंड की अभिनेत्री रश्मिका को ऑरा एक गहरी और जिज्ञासु नज़र से देख रहा था, जिसे देखकर उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में लिखा, ये सभी लड़कियां एक जैसी दिखती हैं- लंबे बाल, बड़ी आंखें, लंबी नाक। यह मजेदार टिप्पणी प्रशंसकों के बीच खूब पसंद की गई। इन सभी तस्वीरों और वीडियो के साथ, रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, बस मैं, मेरी प्यारी ऑरा, कच्चे आम और खुशी के छोटे-छोटे पल। यह कैप्शन उनके जीवन की सादगी और खुशियों को दर्शाता है, जो उन्हें अपने पालतू जानवर और प्रकृति के करीब रहने से मिलती हैं। जो लोग नहीं जानते, रश्मिका एक प्यारी कॉकर स्पैनियल, ऑरा की मालकिन हैं, और वह अक्सर सोशल मीडिया पर उसके साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

काम के मोर्चे पर, रश्मिका मंदाना अगली बार रवींद्र पुल्ले की आगामी फिल्म मैसा में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म निर्माता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि फिल्म के एक गाने की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। उन्होंने गाने के सेट की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैसा गाने की शूटिंग पूरी हो गई है। रश्मिका पर फिल्माए गए इस गाने को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर ब्रिंदा ने कोरियोग्राफ किया है। इससे पहले, मई में रश्मिका ने खुद खुलासा किया था कि उन्होंने केरल में फिल्म मैसा का एक लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है।

तमन्ना ने बताई साउथ और बॉलीवुड की भिन्नता

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने अनुभवों के आधार पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) और साउथ सिनेमा के कामकाज के तरीकों के बीच के बड़े अंतर को स्पष्ट किया है। उन्होंने दोनों सिनेमाई दुनिया के विविध पहलुओं को उजागर किया, खासकर कलाकारों के लिए उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में। तमन्ना के अनुसार, हिंदी सिनेमा में मुख्य रूप से दो तरह के कलाकारों के लिए जगह होती है, जो बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। पहला वर्ग कलात्मक अभिनय को चुनने वाले अभिनेताओं का है। ये वो कलाकार होते हैं जो गंभीर, संजीदा और आर्टिस्टिक किरदारों को तरजीह देते हैं। दूसरा वर्ग वर्सटाइल कलाकार का है, और तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड की सबसे अच्छी बात यह है कि यह कला और ग्लैमर दोनों को एक साथ अपनाने का मौका देता है। जो अभिनेता इन दोनों ही मोर्चों पर खुद को बखूबी साबित कर लेता है, वही सही मायनों में इंडस्ट्री का सुपरस्टार बनता है। इस प्रकार, बॉलीवुड अभिनेताओं को एक व्यापक कैनवास प्रदान करता है। जहां बॉलीवुड अपनी विविधता और संतुलन के लिए जाना जाता है, वहीं तमन्ना ने पहले साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं के चित्रण में सकारात्मकता की कमी और पुरुषों के अधिक प्रभाव का भी जिक्र किया था, जो इन दोनों सिनेमाई उद्योगों की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भिन्नता को दर्शाता है।

राकेश बेदी और धुरंधर के पिंडा ने जिम में बहाया पसीना, साझा किए मजेदार पल

बॉलीवुड के दिग्गज और बहुमुखी अभिनेता राकेश बेदी ने हाल ही में अपने सह-कलाकार उदयबीर संधू से मुलाकात की, जिन्हें फिल्म धुरंधर में पिंडा के किरदार से जाना जाता है। दोनों कलाकारों ने हैदराबाद के एक जिम में साथ मिलकर पसीना बहाया और इस दौरान कुछ मजेदार पल अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए। राकेश बेदी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और उदयबीर संधू फिटनेस सेशन के दौरान बातचीत करते और हंसी-मजाक करते हुए नजर आ रहे हैं। युवा अभिनेता उदयबीर से दोबारा मिलने की खुशी जाहिर करते हुए राकेश बेदी वीडियो में कहते सुनाई दिए, हाय दोस्तों, और हाय, चाय विद राकेश बेदी में आपका स्वागत है। मैं फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद में हूं और हमेशा की तरह जिम में हूं। आप जानते ही हैं कि मैं स्वास्थ्य के प्रति कितना जागरूक हूं। यह बताते हुए राकेश बेदी ने अपने फिटनेस के प्रति समर्पण को दर्शाया। कैमरा उदयबीर की ओर घुमाते हुए उन्होंने आगे कहा, और मेरे साथ एक और धुरंधर है। हम दोनों यहां कसरत कर रहे हैं। यह एक तरह से

उनकी आने वाली फिल्म धुरंधर और उनके ऑन-स्क्रीन रिश्ते को भी संदर्भित करता है।

उदयबीर संधू ने बीच में बात को संभालते हुए कहा, सर बहुत फिट दिख रहे हैं और आज उन्होंने जितना वजन उठाया है, हम सब तो उनके सामने फीके पड़ गए हैं। उदयबीर की इस टिप्पणी पर राकेश बेदी ने अपने जाने-पहचाने चुटीले और हास्यपूर्ण अंदाज में जवाब दिया, मैं वजन नहीं उठा रहा, मैं तो बस अपना दबदबा दिखा रहा हूं। उनका यह जवाब दोनों के बीच की मजेदार केमिस्ट्री और राकेश बेदी की हाजिरजवाबी को दर्शाता है। इस मजेदार वीडियो का अंत उदयबीर के दिग्गज अभिनेता को लव यू सर, लव यू कहने के साथ हुआ, जिससे उनके आपसी सम्मान और स्नेह का पता चलता है। इस पोस्ट के कैप्शन में राकेश बेदी ने लिखा, हैदराबाद में जिम का आनंद ले रहा हूं। यह दर्शाता है कि काम के साथ-साथ वे अपनी फिटनेस और सह-कलाकारों के साथ मेलजोल का भी पूरा आनंद ले रहे हैं। राकेश बेदी का सोशल मीडिया फीड ऐसे ही मजेदार पलों और अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत से भरा पड़ा है।

यह पहला मौका नहीं है जब राकेश बेदी ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसा कोई रोचक वीडियो साझा किया हो। मई में, राकेश बेदी ने पंजाबी गायक सुखबीर के साथ अपने मशहूर गाने बच्चा है तू मेरा की एक झलक साझा की थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, सभी का स्वागत है हैलो चाय विद राकेश बेदी में। मैं एक फेस्टिवल के लिए गोवा में हूं। कल मेरा यहां एक स्पीकर सेशन है, लेकिन मुझे एक ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिला जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं। वह दिल से बहुत अच्छा गाते हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि सुखबीर हैं। इसके बाद, उन्होंने सुखबीर को फ्रेम में लाया, जो गा रहा था, 'दिल देना, दिल लेना, ऐ सौदा खरा खराज्है सौदा खरा खराज।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी राष्ट्रपति से मिले हाई कमिश्नर, 'टेबल ऑफ प्रिसिडेंस ' में मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका स्थित बंगभवन में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक चुस्त-दुरुस्त टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। परिचय पत्र सौंपने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के रिश्तों, सीमा से जुड़े मुद्दों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव ने दी जानकारी मुलाकात के बाद राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मो. सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति ने नए भारतीय हाई कमिश्नर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनका कार्यकाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। 'भारत रिश्ते मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध' राष्ट्रपति ने इस साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद बनी नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की मौजूदगी को भी याद किया और उसके लिए भारत के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी, महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और विकास सहयोगी है। बांग्लादेश भारत के साथ सम्मानजनक, संतुलित और भविष्य को ध्यान में रखकर साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दोनों संप्रभु देशों के बीच स्वाभाविक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और भारत इन्हें और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बांग्लादेश बोला- रहमान के सलाहकार से बर्ताव पर दिल्ली की सफाई असंतोषजनक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने नई दिल्ली हवाई अड्डे पर अपने पीएम तारिक रहमान के सलाहकार के साथ हुए घटनाक्रम के बारे में भारत के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक करार दिया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, इस घटना पर भारतीय पक्ष की सफाई संतोषजनक नहीं थी। वह बोले, पीएम के सूचना-रणनीति सलाहकार जाहिद उर रहमान के साथ हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक थी। रहमान का नाम सुरक्षा से जुड़ी एक ब्लैकलिस्ट में होने के कारण उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने कुछ देर के लिए रोका गया था। बाद में उनकी यात्रा की पुष्टि के बाद उन्हें अनुमति मिली लेकिन उन्होंने अपनी मर्जी से ढाका लौटने का फैसला किया।

अमेरिका, फ्रांस और स्पेन के रहने वाले ; टोटल केस 9 हुए, अब तक 3 की मौत

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। हंतावायरस के संपर्क में आए 3 और लोगों में संक्रमण मिला है। इनमें एक अमेरिकी और एक फ्रांसीसी यात्री शामिल हैं, जो पहले अपने-अपने देश लौट चुके थे। वहीं, मैड्रिड में क्वारैंटाइन एक स्पेनिश नागरिक की शुरुआती रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। अब तक 3 यात्रियों की मौत हो चुकी है। 11 अप्रैल को एक बुजुर्ग डच यात्री की जहाज पर मौत हुई थी। उनकी पत्नी बाद में दक्षिण अफ्रीका में मृत मिलीं। 2 मई को एक जर्मन महिला की जहाज पर मौत हो गई। ये सभी यात्री 'एमवी हॉन्डियस' नाम की उस क्रूज शिप से लौटे हैं, जहां वायरस के मामले सामने आए थे। यह जहाज स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में रुका था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक जहाज से जुड़े हंतावायरस के 9 केस कन्फर्म हो चुके हैं। डब्ल्यूएचओ ने जहाज से लौटने वाले सभी लोगों के लिए 42 दिन आइसोलेशन की सिफारिश की है। हालांकि अमेरिकी सीडीसी ने कहा कि वायरस का इंसान से इंसान में फैलना दुर्लभ है और इसे कोविड जैसी महामारी नहीं माना जाना चाहिए। इससे पहले सोमवार को हंतावायरस के संपर्क में आए 17 अमेरिकी यात्रियों को अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर लाया गया। यहां उन्हें 42 दिनों तक निगरानी और क्वारिंटीन में रखा जाएगा। हंतावायरस के लक्षण दिखने में 8 हफ्ते तक लग सकते हैं हंतावायरस से इंसानों की किडनी फेल होने का खतरा होता है। कई मामलों में मरीज को तेज बुखार, शरीर दर्द, सांस लेने में दिक्कत और कमजोरी होने लगती है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद तबाही का मंजर मलबे में अपनों को ढूंढ रहे लोग; हजारों लापता

कारकास , एजेंसी। वेनेजुएला में गुरुवार तड़के आए 2-2 ताकतवर भूकंप के बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। हजारों लोग लापता है जिनकी खोज जारी है। घायल और परेशान लोग मलबे के ढेरों में अपनों की तलाश कर रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोगों ने पार्क, पार्किंग और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताई। दूसरी तरफ अब तक 188 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप से कई प्रांतों में भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गईं। ये भूकंप एक सदी से भी अधिक समय में वेनेजुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से हैं। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के बाद देशभर में हजारों लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी कारकस के उत्तर में स्थित ला गुएरा के तटीय इलाके में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है। अपनों की तलाश में बिलख रहे लोग उत्तरी वेनेजुएला के शहरों में इस वक्त चीख-पुकार और मातम का माहौल है। मलबे से धूल और खून से सने लोगों, बच्चों और बेजुबान जानवरों को निकाला जा रहा है। वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर दिखाए गए वीडियो में एक जगह सीमेंट के भारी-भरकम स्लैब के नीचे एक महिला दबी हुई थी, जिसका सिर्फ एक नंगा पैर बाहर दिखाई

दे रहा था। रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे जिंदा बाहर निकाला। मलबे के पास खड़ी डायना डेलगाडो ने रोते हुए प्रशासन पर गुस्सा निकाला, 'सरकार ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वो कहां है? हमारे पड़ोसी खुद हाथों से मलबा खोद रहे हैं। मेरा 8 साल का बेटा लापता है, मुझे नहीं पता वो मलबे में है या किसी शेल्टर होम में।' एक अन्य जगह पर एक मां अपने 3 और 10 साल के बच्चों के शवों को कंबल में लिपटे देख रो पड़ी।

'ला गुएरा' बना डिजास्टर जोन : राजधानी कारकास के उत्तर में स्थित तटीय क्षेत्र ला गुएरा इस आपदा का सबसे बड़ा शिकार बना है। एक रिटायर्ड शिक्षक जुआन अल्बर्टो ने बताया कि वे मलबे के बीच से गुजर रहे थे, जहां हर तरफ लाशें थीं। तभी उन्हें एक दबी हुई महिला दिखी जो हाथ हिलाकर मदद मांग रही थी, लेकिन संसाधन न होने के कारण वे बेबस थे। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ला गुएरा में एक अस्पताल के बाहर दर्जनों लोगों का इलाज होते हुए देखा जा सकता है, इनमें से कुछ जमीन पर लेटे थे और कुछ बिस्तरों पर थे। देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ला गुएरा में ही है, जो भूकंप के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गया है। इसके बंद होने से विदेशों से आने वाली राहत सामग्री और टीमों को लैंड कराने में भारी लॉजिस्टिक दिक्कतें आ रही हैं। वहीं मेट्रो और गैस आपूर्ति जैसी सेवाएं भी रोक दी गई। इस बीच वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिगेज ने गुरुवार को कहा है कि भूकंप में कम से कम 235 लोगों की मौत हो गई और 4300 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे फलद रॉड्रिगेज ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और कुछ स्कूल भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों और सहायता केंद्रों के तौर पर किया जाएगा। इस बीच वेनेजुएला की मदद के लिए कई देश आगे आए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया है कि अमेरिका बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भेज रहा है। कई अन्य देशों ने भी वेनेजुएला को सहायता देने की पेशकश की है। रॉड्रिगेज ने बताया कि कतर से बचाव दल पहले ही रवाना हो चुके हैं, जबकि मैक्सिको और अल साल्वाडोर से भी टीमें पहुंचने वाली हैं। वहीं उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी शुक्रिया अदा किया है। वेनेजुएला में इस तबाही का कारण ट्विन अर्थक्वेक है। यहां राजधानी कराकास से कुछ ही दूरी पर महज कुछ सेकेंड के अंदर भूकंप के दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, गुरुवार को आए पहले भूकंप की तीव्रता 7.2 रही और इसका केंद्र देश के कैरेबियाई तट पर स्थित मोरोन के पश्चिम में जमीन के भीतर 22 किलोमीटर की गहराई में था। यह जगह कारकस से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित है। वहीं ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और अधिक शक्तिशाली भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र मोरोन से 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था।

सिंगापुर में 400 से ज्यादा कर्मचारियों की सैलरी रुकी, हाई कमीशन ने की मदद

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में काम करने गए 400 से ज्यादा भारतीय और बांग्लादेशी मजदूरों के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एसके इंडस्ट्रीज, केपीए इंजीनियरिंग और वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग नाम की तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को बिना वेतन के छोड़ दिया है। इन सभी कंपनियों ने मजदूरों को न तो उनकी महीनों की मेहनत की सैलरी दी है और न ही रहने के लिए कोई उचित जगह दी है। इस घटना के सामने आने के बाद भारतीय हाई कमीशन ने तत्काल प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की मदद शुरू कर दी है।

भारतीय हाई कमीशन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस और मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर के साथ मिलकर इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों कंपनियों के एक कॉमन डायरेक्टर की पहचान भारतीय नागरिक रामू पलानी वेलु के रूप में पूरी तरह से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सिंगापुर का यह स्थायी निवासी डायरेक्टर रामू सभी कर्मचारियों के पैसे हड़प कर देश छोड़कर कहीं भाग गया है। सरकार अब इन कंपनियों के पुराने रिकॉर्ड और सभी अहम दस्तावेजों की बहुत ही गहराई के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।

मजदूरों को दी जा रही मदद

सिंगापुर में फंसे इन सभी मजदूरों की तत्काल मदद के लिए संबंधित अधिकारियों ने बुधवार को उनसे मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मजदूरों को राहत देने के लिए एसजीडी200 नकद और सुपरमार्केट से सामान खरीदने के लिए विशेष शॉपिंग वाउचर भी तुरंत दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रशासन उनके रहने के लिए दूसरी सुरक्षित जगह का इंतजाम कर रहा है और उन्हें नई नौकरी दिलाने की कोशिशें भी जारी हैं। जांच में यह साफ पता चला है कि रामू ने साल 2014 में अपना पहला बिजनेस केपीए इंजीनियरिंग शुरू किया था जिसकी कैपिटल एसजीडी1 मिलियन थी। इसके बाद 2019 में उसने एसजीडी 100,000 की कैपिटल के साथ कम्फर्ट एयर इंजीनियरिंग नाम की एक और नई कंपनी शुरू की थी। साल 2023 में उसने एसजीडी200,000 की भारी कैपिटल के साथ एसके इंडस्ट्रीज रजिस्टर की और 2025 में वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग का कामकाज संभाला। वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग को काफी कीमती माना जाता था क्योंकि इसके पास जुरोंग आइलैंड जैसी जगहों पर काम करने के लिए खास वर्क परमिट थे।

लोगों को भूखा रख-नौकरियां छीन विद्रोह को दबाने में जुटी शहबाज सरकार, 17 दिन से पीओके में प्रदर्शन जारी

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस्लामाबाद के खिलाफ जन विद्रोह अपने चरम पर पहुंच गया है। अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में जारी व्यापक प्रदर्शन लगातार 17वें दिन भी जारी रहा। जनता का आरोप है कि आंदोलन को दबाने के लिए शहबाज सरकार के निर्देश पर प्रशासन अब लोगों को भूखा रखने व नौकरियां छीनने के अमानवीय हथकंडे अपना रहा है। इसके तहत पाकिस्तान से पीओके को जोड़ने वाले प्रवेश मार्गों पर खाद्य सामग्री और जरूरी सामानों से लदे ट्रकों को रोक रहा है। आवश्यक वस्तुओं की जानबूझकर पैदा की गई इस किल्लत से स्थानीय समुदाय पर दबाव बढ़ गया है। प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आरोप में अब तक 128 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया है। आंदोलन के नेताओं का आरोप है कि सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को भी प्रदर्शन में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है। उन्हें पेंशन रोकने की धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक कार्रवाई में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लेकर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। इधर प्रशासन का दावा है कि कार्रवाई केवल गैर-कानूनी कृत्यों में शामिल लोगों पर की जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर गोलीबारी, ईरान ने मालवाहक जहाज पर पर किया भीषण हमला

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के 20 फीसदी तेल कारोबार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर से फायरिंग हुई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज 'एवर लवली' को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब ईरान और अमेरिका दोनों ही एक नाजुक समझौते को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस तरह से एक मालवाहक जहाज पर ईरान द्वारा किया गया हमला शांति के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि आईआरजीसी ने मालवाहक जहाज पर हमला किया है। फिलहाल इस हमले को लेकर अमेरिकी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी तरफ ईरान की इस्लामिक सरकार ने भी इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब समझौते के बाद कुछ समय पहले ही ईरान ने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना होर्मुज से निकलने वाले जहाजों के ऊपर कार्रवाई की जा सकती है।

इस हमले की ज्यादा जानकारी देते हुए ब्रिटेन की नेवी ने बताया कि ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज से एक प्रोजेक्टाइल टकराने की जानकारी मिली है। इस महले में जहाज का कंट्रोल रूम तबाह हो गया है। हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की जानकारी नहीं मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही शांति समझौता हो गया हो, लेकिन भरोसे की कमी अभी भी साफ तौर पर नजर आ रही है। ईरान की तरफ से इस जहाज पर किए जाने के बाद अब अमेरिका की तरफ से कैसा रिएक्शन आता है, यह देखना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि शांति समझौते के बाद होर्मुज से लगातार तेल सप्लाई हो रहा है और जहाजों के लिए खतरा भी खत्म हो गया है। लेकिन इस एक हमले ने ट्रंप के शांति समझौते और उनके शांति वाले दावे की पोल खोल दी है।

ईरान अपने दशकों पुराने अमेरिकी हमले के डर का सामना कर चुका है। इस हमले में उसे भले ही बहुत कुछ गवाना पड़ा हो, लेकिन साथ में एक चीज हासिल भी हुई है। और वह है होर्मुज के ऊपर पूरा कंट्रोल। राष्ट्रपति ट्रंप चाहे कुछ भी कहें, लेकिन सच्चाई तो यही है कि ईरान युद्ध के पहले होर्मुज पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था, लेकिन अब वह इसे अपने हाथ में रखकर दुनिया से अपनी बात मनवाने की ताकत रखता है। यह हमला इसी बात का उदाहरण है। शांति समझौते के बाद बाद ट्रंप होर्मुज के खुलने का ऐलान कर रहे थे, वहीं तेहरान की तरफ से चेतावनी जारी की गई थी कि होर्मुज से वही जहाज सुरक्षित निकल सकते हैं, जो तेहरान के बताए अनुसार चलेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन पर हमला किया जा सकता है। अब सिंगापुर के जहाज पर हमला करके ईरान ने अपनी मंशा साफ कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि उनका प्रशासन ईरान की मुक्त की गई संपत्तियों का उपयोग अमेरिकी कृषि उत्पादों को खरीदने के लिए करेगा। लेकिन ईरान के संसदीय अध्यक्ष और ईरानी वार्ता दल के एक प्रमुख व्यक्ति मोहम्मद बगेर गालिबफ ने इस दावे को खारिज कर दिया है। गालिबफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा 'अमेरिका झूठा दावा करता है कि हमारी मुक्त संपत्ति से हम उनकी कृषि उपज खरीद लेंगे। दिलचस्प बात है। हम जो फसल काट रहे हैं।

करांची में 3 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या, 12 संदिग्धों की जांच

करांची , एजेंसी। करांची में 3 साल की मासूम बच्ची की हत्या का यह दर्दनाक मामला पूरे देश में हलचल मचा रहा है। करांची में एक 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की गई है। दोपहर में घर से बाहर खेलने गई यह मासूम बच्ची उसी शाम एक बोरे में मृत पाई गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में बहुत ज्यादा शोक और गहरा गुस्सा फैला हुआ है। बच्ची का शव करांची के मुस्लिमबाद में मुस्तफा मस्जिद के पास उसी की गली में मिला। शव को एक बोरे में बंद करके मासूम बच्ची के घर की गली के मेन गेट पर फेंका गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में हिंसक बलात्कार की पुष्टि भी कर दी है। इस भयानक मामले ने सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस दिल दहला देने वाले मामले में सबसे शर्मनाक बात यह है कि आरोपी कोई करीबी हो सकता है। पुलिस को गहरा शक है कि इस मासूम बच्ची का गुनाहगार उसका अपना ही कोई करीबी रिश्तेदार है। केस हैंडल करने वाले डॉ. सैयद ने इसे अपने मेडिकल करियर का सबसे डरावना मामला बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसे अपराध हमेशा ही बेहद डरावने और बहुत परेशान करने वाले होते हैं।

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जावेद आलम ओधो ने इस घटना की तुरंत जांच के कड़े आदेश दिए हैं। उन्होंने इस जघन्य अपराध की गहराई से जांच के लिए एक बहुत ही हाई-लेवल टीम का गठन किया है। यह टीम करांची के ईस्ट जोन के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल की अध्यक्षता में अपनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारी बहुत तेजी से सारे सबूत जुटाने और असली अपराधियों को जल्द पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और इलाके से कुल 12 संदिग्धों के डीएनए सैंपल जांच के लिए इकट्ठा किए हैं। इन 12 संदिग्ध लोगों में से कई इस मासूम बच्ची के अपने सगे और करीबी रिश्तेदार ही बताए जा रहे हैं। स्पेशल ब्रांच और लोकल मुखबिरों की गुप्त रिपोर्ट के आधार पर पुलिस बहुत गंभीरता से अपनी जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस का खास फोकस केवल 3 संदिग्धों पर है जो इस बच्ची के अपने करीबी रिश्तेदार हैं।

आईजीपी ओधो ने बिल्कुल स्पष्ट कहा है कि इस भयानक अपराध में शामिल लोग किसी माफी के हकदार नहीं हैं। उन्होंने पक्का आश्वासन दिया है कि पकड़े जाने पर इन सभी दरिंदों के खिलाफ बेहद कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह दर्दनाक घटना दिखाती है कि आज छोटे बच्चों के लिए उनके अपने घर के आस-पास भी कितना ज्यादा खतरा है। स्थानीय लोग इस घटना के बाद बहुत डरे हुए हैं और सभी आरोपियों को जल्द फांसी देने की मांग कर रहे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद

वाशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि सभी पक्ष बातचीत के लिए तैयार हैं और प्रक्रिया जारी है। अमेरिका और ईरान ने पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

पाकिस्तान ने 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए : इस सप्ताह की शुरुआत में मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान और कतर की मौजूदगी में दोनों देशों ने स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में बातचीत की थी। पाकिस्तान ने इस समझौता ज्ञापन पर 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद दोनों पक्ष 60 दिनों में अंतिम शांति समझौते की दिशा में एक रूपरेखा पर सहमत हुए। अंद्राबी के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत जारी है। मेरा मानना है कि बातचीत अगले सप्ताह, संभवतः मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जून की बातचीत के लिए हमारा प्रतिनिधिमंडल बर्गेनस्टॉक में मौजूद था। जहां तक मैं जानता हूं, जब अगले सप्ताह बातचीत फिर से शुरू होगी, तब भी हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहेगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना एक सकारात्मक घटनाक्रम है। अमेरिका और ईरान ने हालांकि अब तक बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

पश्चिम एशिया में तनाव में एक के बाद एक आ रहे अड़ंगों के बीच और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हाई-लेवल डिप्लोमेसी शुरू हो गई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' (×द्वश्नह्य) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (रूश) के तहत पहले दौर की तकनीकी बातचीत संपन्न हो गई है। इस दौरान लेबनान में सीजफायर बनाए रखने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को खुला रखने और संभावित परमाणु समझौते के प्रमुख पहलुओं पर गहन चर्चा हुई। बातचीत से जुड़े एक अमेरिकी राजनयिक के हवाले से बताया गया है कि वार्ता रविवार सुबह शुरू हुई और पूरे दिन कई प्रारूपों में चलती रही। चर्चा का एक मुख्य बिंदु लेबनान की स्थिति रही, जहां देश के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमलों के बीच तनाव कम करने के तंत्र और सीजफायर पर बातचीत केंद्रित थी।

अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए ईरान के बाजार पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर, बोले- 'तेहरान के साथ बातचीत जारी'

वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धविराम के बाद ईरान के कृषि बाजार पर अमेरिका की नजर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि ईरान अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए एक नया बाजार बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त राहत राशि की भी घोषणा की। व्हाइट हाउस में किसानों के सम्मान में आयोजित डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ईरान को कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पिछली नीतियों से प्रभावित उत्पादकों के लिए नई वित्तीय सहायता को मंजूरी देने को भी कहा। ट्रंप ने कहा, 'हमने शुरुआत कर दी है और अब एक नया बाजार सामने आ रहा है। उसका नाम है ईरान।' ईरान को अमेरिकी कृषि उत्पादों का संभावित खरीदार बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'उन्हें भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हम उनके कुछ पैसे लेंगे और उन्हें खर्च करके बड़ी मात्रा में गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेंगे। यह प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होने वाली है। यह बहुत बड़े पैमाने पर होगी।

इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी अपने बयान में कहा था कि ईरान को अमेरिका कृषि उत्पाद खरीदने के लिए फ्रीज संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस से किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह फंड पिछली सरकार के नियमों के कारण हुए नुकसान की भरपाई उत्पादकों को करेगा। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस से एक पूरक वित्तीय सहायता विधेयक पारित करने का आग्रह किया, जिससे विशेष फसलों के लिए 11 अरब

डॉलर की राहत और बेहतरीन कृषि उत्पादकों को बाइडेन प्रशासन के खराब नियमों और कानूनों के कारण हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।

ट्रंप ने कहा कि कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस सहायता के वितरण की देखरेख करेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने किसानों को राहत के तौर पर 11 अरब डॉलर का भुगतान करने जा रहे हैं।' इस दौरान, राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार किया है। उन्होंने यूरोप में डेयरी निर्यात के लिए बेहतर पहुंच, 25 से अधिक सालों के बाद अमेरिकी बीफ आयात के लिए ऑस्ट्रेलिया की मंजूरी और अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने के चीन के वादे का जिक्र किया। उन्होंने किसानों के हित में उठाए गए घरेलू कदमों का भी जिक्र किया, जिनमें एस्टेट टैक्स की सीमा बढ़ाना, खेती के उपकरणों पर असर डालने वाले इलेक्ट्रिक वाहन के फेडरल नियम को खत्म करना, सालभर ई15 फ्यूल की बिक्री की इजाजत देना और पर्यावरण नियम 'वॉटर्स ऑफ द यूएस' को वापस लेना शामिल है।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ प्रशासन की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया और कहा कि इससे बातचीत में वाशिंगटन की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, 'हमें यू-टर्न लेना पड़ा। हमें ईरान की ओर बढ़ना होगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके पास परमाणु हथियार होगा।' व्हाइट हाउस के इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, आंतरिक मंत्री डग बर्गम, स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज, प्रमुख कृषि राज्यों के गवर्नर, सीनेटर और प्रतिनिधि शामिल थे।

डिनर में मेहमानों को कृषि उत्पादों से बने व्यंजन परोसे गए। उन्हें तोहफे के तौर पर ऑर्गेनिक गार्डन के बीज और टमाटर का जैम दिया गया। बता दें कि अमेरिका लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े गेहूं, मक्का और सोयाबीन निर्यातकों में शामिल रहा है। अमेरिकी कृषि निर्यात को अलग-अलग सरकारों ने व्यापार, आर्थिक और विदेश नीति के महत्वपूर्ण साधन के रूप में भी इस्तेमाल किया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)